



जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

The Incomplete Holiday

And then, they heard it, a soft, persistent murmur that grew into a resonant roar. “A waterfall!” Arjun grinned. “Perfect timing.”

RAINFOREST LIFE and DIET HELP

It is Pun time...!!

I stayed up all night to see where the sun went. Then, it dawned on me

कल तक 52 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटने की बात थी

आज चुनाव आयोग ने यह आंकड़ा बढ़ाकर 68 लाख कर दिया है

- रेणु मिश्र -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 24 जुलाई। इंडिया गठबंधन मोदी सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ आक्रोशित है, और ऐसे में बिहार का एस आई आर (स्पेशल इन्टैसिव रिबीजन) मुद्दा आने वाले दिनों में संसद में बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। इंडिया गठबंधन चाहता है कि कांग्रेस केन्द्र सरकार पर दबाव डाले कि वह इस सत्र के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा कराए। लेकिन सूत्रों का कहना है कि गैर-सरकारी माध्यमों एवं चैनलों के ज़रिए सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि वह इस पर चर्चा नहीं कर सकती, क्योंकि सरकार इस मामले में शामिल ही नहीं है। पूरा मामला चुनाव आयोग से जुड़ा है, जो एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, और सरकार इसके लिए न तो ज़िम्मेदार है और न ही जवाबदेह।

- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में विजयी एनडीए व महागठबंधन में कुल सोलह लाख वोटों का अंतर था।
- विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता का कहना है, अगर विपक्ष ने यह मुद्दा पुरजोर ढंग से अभी नहीं उठाया तो चुनाव आयोग मतदाता सूची से नाम काटने का परीक्षण आसाम, पश्चिमी बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में दोहरायेगा।
- अतः कांग्रेस के सहयोगी दलों के नेताओं ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव आदि के दिलों को काफी उद्देलित कर रहा है।
- सरकार की सोच है कि अगर विपक्ष को कुछ शिकायत व आशंका है तो विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट/चुनाव आयोग के समक्ष जाना चाहिए। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, किसी भी तरह से सरकार के अधीन काम नहीं करता। अतः सरकार किसी भी तरह चुनाव आयोग के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

फ़ैसला इंडिया गठबंधन को सामूहिक रूप से लेना होगा और इसमें अभी समय

जो बात विपक्ष के लिए चिंता का विषय बन गई है, वह यह है कि कल चुनाव आयोग ने इससे प्रभावित मतदाताओं की संख्या 52 लाख बताई थी, लेकिन यह आज बढ़कर 68 लाख हो गई है। इस आंकड़े में वे लोग शामिल हैं, जो स्थानांतरित हो चुके हैं, जो मर चुके हैं, जिनके नाम दो जगह हैं, आदि-आदि। पिछले चुनाव में एनडीए और महागठबंधन को मिले वोटों में मात्र 16 लाख का अंतर था, ऐसे में 68 लाख वोटों को हटाए जाने की बात विपक्ष के लिए वास्तव में बेहद गंभीर और खतरनाक है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर हम इस मुद्दे पर जोर नहीं देते हैं, तो मोदी और शाह की हिम्मत बढ़ेगी और वे अन्य राज्यों, जैसे असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश, में यही रणनीति अपनाएंगे। यही कारण है कि कांग्रेस के कई सहयोगी, जैसे ममता बनर्जी, अखिलेश (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीसलपुर बाँध का एक गेट खुला

टोंक, 24 जुलाई। राजस्थान में स्थित बीसलपुर डैम के कैचमेंट एरिया में भारी वर्षा के कारण पर्याप्त पानी भर गया है और अब यह डैम नीचे की ओर पानी छोड़ रहा है। पिछले 21 वर्षों में पहली बार जुलाई के महीने में डैम के गेट खोले गए हैं, क्योंकि जल स्तर बहुत अधिक हो गया है। पानी का स्तर 315.50 आर.एल. मीटर तक पहुँच गया, जिसके बाद जल निकासी के लिए गेट नंबर 10 को एक मीटर खोलकर 6000 क्यूसेक पानी की निकासी की गई

- आमजन से नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई है।

है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि बीसलपुर बांध पेयजल के लिए जयपुर, अजमेर एवं टोंक जिले के लोगों के लिए लाइफ लाइन है। बीसलपुर सहित, जिले के अन्य लघु, वृहद एवं मध्यम बांधों में भी पानी की अच्छी आवक होने से लोगों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा तथा क्षेत्र में अच्छी फसल का उत्पादन होगा। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने आमजन से अपील की है कि नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाएं।

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स से 2030 तक व्यापार दोगुना होगा

इस एग्रीमेंट के तहत भारत का ब्रिटेन को निर्यात किया जाने वाला 99 प्रतिशत सामान “इयूटी फ्री” प्रवेश करेगा, जिससे टैक्सटाइल, जैम्स व ज्वेलरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स आदि सैक्टर को भारी बढ़ावा मिलेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 24 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भारत के उदारीकरण के बाद के इतिहास में सबसे परिवर्तनकारी व्यापार समझौतों में से एक पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत-ब्रिटेन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए), जो वर्षों से प्रक्रिया में था, (एफटीए), जो वर्षों से प्रक्रिया में था, शुल्क बाधाओं को समाप्त करने और नई दिल्ली और लंदन के बीच आर्थिक संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। इसका आर्थिक प्रभाव चौंकाने वाला है। वर्तमान में लगभग 60 अरब डॉलर के आसपास रहने वाला द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है। ब्रिटेन को इससे हर साल 25.5 अरब पाउंड का लाभ होने का अनुमान है, जबकि भारतीय निर्यात और सेवा प्रदाता प्रमुख क्षेत्रों में

- भारत में भी ब्रिटेन से आयातित जाने-माने सामान, स्कॉच व्हिस्की, जिन पर 150 प्रतिशत रेट से इयूटी लग रही थी, अब घटाकर 75 प्रतिशत कर देगा तथा अगले दशक तक यह “इम्पोर्ट इयूटी” 40 प्रतिशत हो जायेगी।
- इस प्रकार भारत द्वारा ब्रिटेन से आयातित लग्ज़री कारें, जैसे जैगुआर व लैंडरोवर, पर इम्पोर्ट इयूटी 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दी जायेगी।
- भारत के सर्विस सैक्टर को भी फ्री प्रवेश मिलेगा ब्रिटेन में। आईटी कंपनियों, फायनॅशियल सर्विसेज़, एजुकेशन, कंसल्टैंसी फर्म आदि को भी ब्रिटेन में काम करने की आज़ादी मिलेगी। अब तक भारतीय प्रोफेशनल्स के समक्ष ब्रिटेन के सोशल सिक्युरिटी पैमेंट की भारी समस्या थी। ब्रिटेन ने इन प्रोफेशनल्स को छूट देने की घोषणा भी की है, कि पहले तीन साल उन्हें सोशल सिक्युरिटी के लिये कुछ योगदान करने का बंधन नहीं रहेगा।

महत्वपूर्ण वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। दोनों देशों के अधिकारियों द्वारा इसे ऐतिहासिक बताया जा रहा है। यह

समझौता केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह दो सबसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘क्या मृत मतदाताओं को भी वोटर लिस्ट में बने रहने दिया जाए?’

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का विरोध कर रहे विपक्ष से जवाबी सवाल किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 24 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय में 28 जुलाई को मामला पहुंचने से पहले ही, मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) ज्ञानेश कुमार ने आज अपने पक्ष में मजबूती से दलील दी और बिहार में होने वाले चुनाव से पहले मतदाता सूची की स्पेशल इन्टैसिव रिविजन (एस.आई.आर.) के कदम का जोरदार बचाव किया। परेशान दिख रहे ज्ञानेश कुमार ने पूछा, “क्या चुनाव आयोग मृत लोगों को मतदाता सूची में रहने दे?” विदित है कि ज्ञानेश कुमार अपने कार्यकाल में अब तक विपक्ष के लगातार आरोपों और चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोपों से जूझते रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा करने के आयोग के कदम के पक्ष में तर्क दिए।

- इस केस पर 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता पुनरीक्षण का तगड़ा बचाव किया।
- विपक्ष के सवालों से घिरे मुख्य चुनाव आयुक्त ने विपक्षी दलों पर कई सवाल दागे, कि क्या दोहरी वोटर आईडी वालों को वोटर लिस्ट में रखा जाना चाहिए, क्या विदेशी प्रवासियों को वोटर लिस्ट में रहने देना चाहिए?
- चुनाव आयोग द्वारा जारी डेटा के अनुसार, बिहार की वोटर लिस्ट से 56 लाख नाम हटाए जाएंगे, इनमें से 20 लाख मृत हैं, 28 लाख मतदाता अन्य राज्यों में हैं, 7 लाख का नाम एक से ज्यादा स्थानों पर रजिस्टर्ड हैं और एक लाख से मतदाताओं से सम्पर्क नहीं हो पाया है।

मुख्य चुनाव आयोग ने सवाल किया, “जिन लोगों के पास डुप्लिकेट ई.पी.आई.सी. (इलेक्टर्स फोटी आईडेंटिटी कार्ड) हैं, क्या उन्हें रहने देना चाहिए? क्या विदेशी नागरिकों को

मतदाता सूची में होना चाहिए? फिर विरोध किस बात का है?”- उन्होंने जोर देकर कहा कि एक शुद्ध और पवित्र मतदाता सूची ही एक सफल लोकतंत्र की नींव होती है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का देह शोषण करने वाले अभियुक्तों को 20 साल की सजा

जयपुर, 24 जुलाई। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग को डरा धमकाकर उसका कई बार देह शोषण करने वाले अभियुक्त शैतान और रविन्द्र को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल चार लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवांसिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता

- शोषण से पीड़ित युवती ने कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की थी।

के साथ कई बार दुष्कर्म कर नैतिक रूप से अकल्पनीय अपराध किया है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि 31 मार्च, 2022 को पीड़िता के पिता ने जेबनेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि उसकी बेटी ने उसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा से नाराज़ हिंदू वोटों पर नज़र है अखिलेश की

इस वोट बैंक को रिझाने के लिए अखिलेश सॉफ्ट हिंदुत्व का सहारा ले रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 24 जुलाई। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने पैतृक गांव सैफई में एक शिव मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं। ऐसी चर्चाएं थी कि सावन के पहले सोमवार को वे काशी विश्वनाथ मंदिर में यादव समुदाय के पारंपरिक जलाभिषेक कार्यक्रम में भाग लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय, उन्होंने सैफई में बन रहे मंदिर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। यह निश्चित रूप से एक चुनावी रणनीति है। 2027 के चुनावों को मद्देनजर रखते हुए, अखिलेश यादव का सॉफ्ट हिंदुत्व की ओर झुकाव भागवा खेमे और धर्मनिरपेक्ष खेमे, दोनों में चिंता और चर्चाओं का विषय बन गया है। प्रश्न यह है कि क्या अखिलेश यादव के मंदिर दौरे, धार्मिक व्यवहार का सार्वजनिक प्रदर्शन और सांस्कृतिक

- सावन मास में हर सोमवार वे सैफई गाँव में स्वयं द्वारा बनवाए जा रहे शिव मंदिर का वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, इस मंदिर का नाम उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के नाम पर केदारेश्वर धाम रखा गया है।
- मंदिर के नाम को लेकर भारी विवाद छिड़ गया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने इसे सनातन धर्म के खिलाफ अखिलेश की साजिश बताया।
- अखिलेश के सॉफ्ट हिंदुत्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो स्वयं को हिंदुत्व का सबसे ताकतवर “आईकन” मानते हैं।

प्रतीकों का प्रयोग उन हिंदू मतदाताओं को आकर्षित कर पाएगा, जिनका भाजपा से मोह भंग हो गया है, तथा इसके साथ ही समाजवादी पार्टी के पारंपरिक मुस्लिम-यादव वोटबैंक उनके साथ बना रहेगा। 2024 के लोकसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी) फॉर्मूले की सफलता

ने अखिलेश यादव को यह विश्वास दिला दिया है कि वे अपनी राजनैतिक पहुंच को अपनी पारम्परिक सीमा से आगे ले जा सकते हैं। ‘सॉफ्ट हिन्दुत्व’ में उनके प्रवेश की कोशिश हाल ही में साफ तौर पर दिखाई दी है तथा सावन के पवित्र महीने में उनकी इन कोशिशों ने और गति पकड़ ली है। वे सावन के हर सोमवार (जो

भगवान शिव की पूजा के लिए शुभ माना जाता है), जो शिव मंदिर से संबंधित वीडियो साझा कर रहे हैं। ये वीडियो किसी अन्य मंदिर के नहीं, बल्कि उसी मंदिर के हैं, जिसे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा इटावा जिले के लुहना गांव में, उनके पैतृक स्थान सैफई के पास, बनवाया जा रहा है। जहाँ काशी विश्वनाथ मंदिर में यादव समुदाय के जलाभिषेक कार्यक्रम में उनकी गैरहाज़िरी के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है, वहीं यह समझा जा रहा है कि वे भाजपा की हिंदुत्व शैली में ढलने की बजाय, अपनी एक अलग सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान बनाना चाहते हैं। यह विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि काशी कॉरिडोर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है और मंदिर के पुनरुद्धार को मोदी की धार्मिक विरासत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भागवत ने 40 मौलानाओं के साथ मीटिंग की

नई दिल्ली, 24 जुलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की गुरुवार को हरियाणा भवन में 40 मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक हुई। बैठक ड ाई घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम

- बैठक में जाने माने मुस्लिम धर्मगुरु शामिल हुए, उन्होंने कहा कि गत 100 साल में पहली बार इस तरह की मीटिंग हुई है।
- धर्मगुरु शामिल हुए। यह बैठक संघ की दूसरे समुदायों के साथ मेल-मिलाप की कोशिशों की एक कड़ी थी। आरएसएस प्रमुख के साथ हुई बैठक के बाद लखनऊ से आए टीले वाली मस्जिद के शाही इमाम मौलाना सैयद फ़ज़लुल्ल मन्ज़ान रहमानी ने कहा कि बीते (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के मार्फत ब्रिटेन ने भारत की समृद्धि व बढ़ते मार्केट पर पैसा लगाया है

इन्हीं दो कारणों से ट्रंप भी भारत पर भारी टैरिफ लगाने से हिचकिया रहे हैं

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-
वॉशिंगटन, 24 जुलाई। प्रथम विश्व युद्ध 1914 से कुछ साल पहले, प्रसिद्ध ब्रिटिश अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने बड़े गर्व से लिखा था कि वह लंदन में अपने बिस्तर से उठे बिना दुनिया भर की सबसे बेहतरीन चीजें मंगवा सकते हैं, जिनमें भारतीय चाय भी शामिल थी। समय के साथ दुनिया ने उल्टा रास्ता पकड़ लिया और यह लगभग असंभव हो गया कि लोग दुनिया भर के अच्छे सामान आसानी से मंगवा सकें, क्योंकि देशों के बीच टैरिफ (शुल्क) और व्यापारिक प्रतिबंध बहुत बढ़ गए थे। वैश्वीकरण के बावजूद ये शुल्क देशों के बीच माल की आवाजाही को धीमा करते रहे और इससे उपभोक्ताओं की संतुष्टि भी कम हुई। अब लगता है कि यह स्थिति बदलने लगी है।

- ट्रंप को भी भय है कि अगर भारी टैरिफ लगाया भारत पर तो भारत का बढ़ता मार्केट कहीं और खिसक सकता है और अंततोगत्वा यह अमेरिका के हित में नहीं है।

अधिक जटिल होता है। मुक्त व्यापार समझौते में माल और सेवाओं के नियमित प्रवेश की व्यवस्था होती है, जिसमें अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिए विस्तृत नियम और शर्तें होती हैं। व्यापार वार्ताकार अपने देश के हितों की रक्षा करते हुए अपने माल और सेवाओं को दूसरे देश में प्रवेश दिलाने के लिए कठिन मेहनत करते हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे की व्यापार नीति की अच्छी तरह समझते हैं और केवल एक-दूसरे

का सम्मान करते हुए ही एक प्रभावी और न्यायपूर्ण व्यापार समझौता किया जा सकता है। उम्मीद की जाती है कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता इस दिशा में अच्छी तरह से किया गया है, जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर कई बार कह चुके हैं। आम बात है, लेकिन अर्थशास्त्री हमेशा यह मानते आए हैं कि देशों के बीच व्यापार से सभी को फायदा होता है। व्यापार हमेशा एक देश की तुलनात्मक श्रेष्ठता के आधार पर होता है। यह माना जा सकता है कि कोई भी देश हर चीज में सबसे अच्छा नहीं हो सकता। वह कुछ चीजों में अच्छा होता है और कुछ में नहीं। क्लासिकल अर्थशास्त्रियों ने अक्सर ब्रिटेन और पुर्तगाल के बीच व्यापार का उदाहरण दिया है। जहां ब्रिटेन ऊनी कपड़ों में बेहतर था, वहीं पुर्तगाल उत्तम किस्म की वाइन बनाता था। इसलिए उन्होंने ऊनी कपड़े और वाइन का आपस

में व्यापार किया। यही मॉडल कई अन्य देशों भी लागू होता है। कम से कम इन दोनों देशों, भारत और ब्रिटेन, में अब जाकर एक व्यापार समझौता हुआ है जिससे ज्यादातर माल और सेवाओं की आवाजाही मुक्त हो सकेगी। ज्ञातव्य है कि भारत पूर्व में ब्रिटेन का उपनिवेश रहा है। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 99 प्रतिशत व्यापार मूल्य अब शुल्क-मुक्त या फिर केवल 10 प्रतिशत के मामूली शुल्क के साथ होगा। कई मामलों में जहां पहले भारी शुल्क लगता था, अब उसे बहुत कम कर दिया जाएगा जिससे यह दोनों देशों के उपभोक्ताओं के लिए किफायती बन जाए। यह समझौता दोनों देशों को तुरंत कुछ खास उत्पादों में अधिक पहुंच देगा। उदाहरण के लिए ब्रिटिश कॉर्न, खासतौर पर जैगुआर और लैंड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज निर्णय होगा उदयपुर फाइल्स रिलीज़ पर

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म उदयपुर फाइल्स पर अंतरिम रोक जारी रहनी चाहिए या नहीं, उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर शुक्रवार को संक्षिप्त सुनवाई के बाद आदेश पारित करेगा।

- उदयपुर फाइल्स पर अभी सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा रखी है।

पूर्वक सुनने के बाद कहा कि कल इस मामले का निपटारा किया जायेगा। फिल्म के निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया के फिल्म का प्रदर्शन शुरू होने में हो रही देरी के विरोध पर पीठ ने कहा, आपने सही इंतज़ार किया है, क्योंकि कानून यही चाहता है। मुद्दा यह है कि क्या (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है। –कहावत

हम देश के नागरिक यह स्वीकार नहीं करेंगे कि विदेशी फर्जी मतदाता भारत के भाग्य विधाता बने

बिहार में निकट भविष्य में चुनाव होने जा रहे हैं। बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चल रही है। चुनाव अक्टूबर-नवम्बर में हैं। आयोग के सूत्रों के मुताबिक उचित जाँच के बाद लोगों के नाम जो मतदान करने के अधिकारी पाये गये उनके नाम 30 सितम्बर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से हटा दिये जावेंगे। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अपडेट (Update) करने के तथा अवैध तथाकथित मतदाताओं को हटाने के लिये शुरू की गई है।

अधिकारियों द्वारा गहन मतदाता पुनरीक्षण के दौरान यह पाया गया है नेपाल, बांग्लादेश व म्यांमार के सैकड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची में हैं और इनके पास आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट और राशन कार्ड जैसे कई प्रकार के पहचान पत्र हैं। ये कागजात गलत तरीके से प्राप्त किये गये हैं। अतः इनके नाम 30 सितम्बर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से हटा दिये जावेंगे। अधिकारीगण बूथ लेवल पर घर-2 गये हैं और उन्होंने जांच की है। आयोग को सूचना के आधार पर यह भी जानकारी उपलब्ध है कि 80.11: मतदाता (करीब 6.32 करोड़) ने अपने ईएफ (एन्युमरेशन फार्म) जमा करा दिये हैं। 18 लाख मृत वोटर्स पाये गये। 7 लाख वोटर्स का नाम तो जगह दर्ज है। ताजा समाचार के अनुसार 97: काम पूरा हो चुका है।

चुनाव आयोग ने कुछ दिनों पूर्व यह स्पष्ट किया है कि बिहार की तरह सभी राज्यों की विधान सभाओं की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण होगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि उनका पूरा प्रयत्न होगा कि देश की मतदाता सूची में एक भी विदेशी नागरिक नहीं रहना चाहिये।

बिहार में वोटर लिस्ट की विशेष गहन समीक्षा चल रही है जो एक वैधानिक प्रक्रिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय खण्डपीठ के समक्ष इस प्रक्रिया की वैधानिकता को कई रिट याचिकाओं में चुनौती दी है। सुनवाई के समय इस प्रक्रिया पर रोक लगाने की प्रार्थना पिटीशनरों की ओर से की गई थी; किन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने यह कहकर प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया कि चुनाव आयोग वैधानिक संस्था है और उसके कार्य को रोकना जाना कोर्ट उचित नहीं समझ रही है।

माननीय कोर्ट के समक्ष दोनों पक्षों की बहस चल रही है जिसमें कई संवैधानिक व वैधानिक प्रश्न उठाये गये हैं। स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से मतदाता सूचियों की शुद्धिकरण किया जाना चुनाव आयोग का दायित्व है। पिटीशनर्स की ओर से उक्त प्रक्रिया के विरुद्ध कानूनी आपत्तियां उठाई गई हैं। एक आपत्ति यह उठाई गई है कि जब मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम है जो पहले भी वोट दे चुका है तो उसे मतदान करने से नहीं रोका जा सकता। यह भी आपत्ति की जा रही है कि अधिकारीगण जाँच घर-2 जाकर नहीं कर रहे हैं ऑन लाईन फार्म के लिये अवैध वसूली हो रही है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इसे महाराष्ट्र की तर्ज पर चोरी या चुनाव चोरी की कोशिश बताया है। राजव के नेता तेजस्वी यादव और सांसद पप्पु यादव ने इसे गरीब दलित व प्रवासी मजदूरों के वोटिंग अधिकारों को छीनने का कोशिश माना है। कई लोगों का कहना है कि अभिप्राय मतदाता सूची को शुद्धता का नहीं है अपितु सत्ताखंड एनडीए को लाभ पहुंचाने का है।

मूल बहस जो चुनाव आयोग की ओर से की जा रही है वह दो बिन्दुओं पर केन्द्रित है। प्रथम चुनाव आयोग के अधिकार पर जो उसे संविधान ने अनुच्छेद 324(1) के माध्यम से दिये हैं। दूसरा बिन्दु है मताधिकार का आधार जो केवल भारत के नागरिक को ही प्राप्त है। इसका पूर्ण विवेचन संविधान के अनुच्छेद 326 में किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 324(1) के अनुसार निर्वाचन के अधीक्षण (uperintendence), निर्देशन (Direction) व नियंत्रण (Control) चुनाव आयोग में निहित है। अनुच्छेद 324(1) इस संविधान के अधीन संसद और प्रत्येक राज्य के विधान मंडल के लिये कराये जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिये तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के लिये निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का ओर उन सभी के निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियन्त्रण एक आयोग में निहित होगा जिसे संविधान में निर्वाचन आयोग (Election Commission) कहा गया है।

इसका अभिप्राय है चुनाव आयोग को चुनाव कराने, निर्वाचक नामावली (Electoral Rolls) बनाने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है अर्थात् निर्वाचन (Election) के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार है। इस अनुच्छेद की व्याख्या करते हुये सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में माना है कि चुनाव आयोग को चुनावों के सम्बन्ध में न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका के अधिकार प्राप्त हैं।

हमें यहाँ तो स्वीकार करना ही होगा कि चुनाव आयोग संविधान के तहत चुनावों की प्रक्रिया के निर्धारण के संबंध में एक संवैधानिक संस्था है और नागरिक होने के कारण उनका यह मूल कर्तव्य है कि वे इस संस्था का सम्मान करें आदर करें। संविधान के अनुच्छेद 51(क) में स्पष्ट घोषणा है कि “भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं का आदर करे”।

चुनाव आयोग केवल यह परीक्षण कर रहा है कि मतदाता क्या भारत का नागरिक हैं या नहीं। अर्थात् संविधन के भाग-2 में दिये गये आधारों पर परीक्षण कर रहा है कि वे लोग जो दूसरे देशों के नागरिक मतदाता के तौर पर मिले हैं क्या वे भारत के नागरिक हैं? बूथ स्तर के मतदाता को पुनरीक्षण के दौरान नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के हजारों लोगों का पता चला है। उनके पास आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट राशन कार्ड भी मिले हैं।

किन्तु भारत की राजनीति में संस्थाओं के प्रति आदर कहीं खो गया है।

यह सही प्रतीत होता है कि नागरिकता के बाबत निर्णय करने का अधिकार केवल सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन है। चुनाव आयोग केवल यह परीक्षण कर रहा है कि मतदाता क्या भारत का नागरिक है या नहीं। अर्थात् संविधान के भाग-2 में दिये गये आधारों पर परीक्षण कर रहा है कि वे लोग जो दूसरे देशों के नागरिक मतदाता के तौर पर मिले हैं क्या वे भारत के नागरिक हैं? बूथ स्तर के मतदाता को पुनरीक्षण के दौरान नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के हजारों लोगों का पता चला है। उनके पास आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट राशन कार्ड भी मिले हैं। आपत्ति केवल यह है कि वे संविधान के भाग-2 में दिये गये प्रावधानों के अनुसार भारत के नागरिक नहीं हैं। संविधान के अनुसार मतदान को अधिकार केवल भारत के नागरिक को है।

इस विषय पर चर्चा के लिये, आईये, हम यह जाने कि संविधान के भाग-2 के अनुवसर भारत का नागरिक कौन हो सकता है। संविधान के अनुच्छेद 11 के तहत भारत की संसद द्वारा नागरिकता के अधिकार का विनियमन किया है। कानून है नागरिकता अधिनियम, 1955 और दूसरा के नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीसीए)।

भारत की नागरिकता निम्नलिखित प्रकार से प्राप्त होती है:-

(1) जन्म से नागरिकता - 26 जनवरी 1950 में 01.07.1987 के मध्य भारत में पैदा हुये व्यक्ति। 1 जुलाई 1987 से 12 दिसम्बर 2024 के बीच जन्मे व्यक्ति के माता-पिता में से कम से कम एक एक भारतीय हो। 06.12.2024 के बाद जन्मे होने पर एक माता-पिता भारतीय और दूसरा अवैध प्रवासी नहीं होना चाहिये।

(2) वंश के आधार पर - यदि कोई व्यक्ति भारत के बाहर पैदा हुआ हो, लेकिन उसके माता-पिता भारत के नागरिक हैं तो वह पंजीकरण द्वारा नागरिकता ले सकता है।

(3) पंजीकरण द्वारा - भारतीय मूल के व्यक्ति, भारत के विवाहित विदेशी नागरिक या जो कुछ वर्षों से भारत में रह रहे हों वे आवेदन करके नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं।

(4) By Naturalization (विदेशी) जो भारत में 12 वर्षों से रह रहे हैं (11 वर्ष आवेदन से ठीक पहले 1 वर्ष)

(5) राज्य के भारत में विलय के कारण।

इससे स्पष्ट होगा कि आधार कार्ड, राशन कार्ड अथवा वोटर लिस्ट में नाम होने मात्र से वह व्यक्ति भारत देश का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिक संशोधन अधिनियम, 2019 व उसके नियम बिहार के उपरोक्त तथाकथित मतदाताओं पर लागू नहीं होता। यह अधिनियम पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसम्बर 2014 से पूर्व भारत आये हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्राप्त करने के लिये प्राकृतिककरण की अवधि 11 से घटाकर 5 वर्ष करता है।

रिट याचिकायें जो माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ में जेरकार हैं और जिनमें माननीय न्यायालय गम्भीरता से दोनों पक्षों की बहस सुन रहा है, कानून की स्थिति के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को है और वह भारत का नागरिक, संविधान तथा नागरिकता अधिनियम के दिये गये मानदण्डों के अनुसार नागरिक है। चुनाव आयोग आपत्ति कर रहा है कि बिहार के वे तथाकथित मतदाता तथा जो बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल के लोग हैं, उन्हें वह मतदाता अर्थात् भारत देश में मतदान करने का अधिकारी नहीं मानता। हाँ, यदि वे कुछ मांगे गये दस्तावेजात पेश करें और संतोष करा दे तो वह आपत्ति उठा लेगा या वे नागरिकता के मामले को नियमों के अनुसार गृह मंत्रालय से तय करा लेंवें और सर्टिफिकेट प्राप्त करें। कि वे भारत के नागरिक हैं उन्हें देश का नागरिक मान लेना और मतदान का अधिकारी मानकर मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज हो जावेगा।

दूसरा प्रश्न और भी है वह है Estoppel keâe efkeâvleg Estoppel का नियम कानून के विरुद्ध लागू नहीं किया जा सकता।

बहस के दौरान यह सभी पक्षों ने माना है कि मतदान का अधिकार केवल देश का नागरिक ही को है। जो व्यक्ति (मतदाता) अपना नाम वोटर लिस्ट में बतलाने अथवा आधार कार्ड व राशन कार्ड उनके नाम होने के कारण अपने को मतदान का अधिकारी मानता है, उसकी वैधता बाबत जांच करने का अधिकार चुनाव आयोग को है। उसे गृह विभाग के मंत्रालय से प्रमाण पत्र लेकर प्रस्तुत करना होगा।

इस विवाद का एक पहलू और भी है। हाईकोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर करने का अधिकार केवल मात्र देश के नागरिक को है अथवा उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति को है। प्रस्तुत केस तथाकथित मतदाताओं में से किसी ने दायर नहीं किया है। अतः यह प्रश्न भी माननीय कोर्ट के समक्ष रखना चाहिये कि याचिकायें सुनवाई के योग्य ही नहीं हैं। सिक्किम के भारत में विलय को लेकर सिक्किम के पूर्व शासक विलय की वैधता को सिक्किम हाईकोर्ट में चुनौती दी, उस समय जस्टिस श्रीमाल एम एल सिक्किम हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे। केस उनकी पीठ के समक्ष प्रस्तुत हुआ। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्रीमाल ने आपत्ति की थी कि भारत का नागरिक ही रिट याचिका पेश कर सकता है, अन्य नहीं। सुनवाई उसी समय की जायेगी जब पिटीशनर यह शपथ पत्र प्रस्तुत करें कि वह भारत का नागरिक है। शपथ पत्र प्रस्तुत हुआ। सिक्किम भारत का अभिन्न अंग हो गया।

देश इसे स्वीकार नहीं करेगा कि विदेशी फर्जी मतदाता भारत का भाग्य विधाता बने। सबको सम्पत्ति दे भगवान!

–**अतिथि सम्पादक,**
पानाचन्द्र जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

संपादकीय

हरियालो राजस्थान: हरित समृद्धि की ओर ले जाने का मुख्यमंत्री का संकल्प



रचना सिद्धा

आज विश्व अनेक समस्याओं से घिरा हुआ है। इन समस्याओं में से एक बहुत बड़ी समस्या है प्राणी और वनस्पति जगत के बीच का असंतुलन। आबादी की बेतहाशा बढ़ोतरी और प्राकृतिक संसाधनों पर हमारी बढ़ती निर्भरता ने इस संतुलन को बिगाड़ा है जिससे हमारे सामने आर्थिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। मनुष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए जंगल के कटते रहने से मानव सभ्यता को ही खतरा पैदा हो गया है। मौसम में लगातार परिवर्तन हो रहा है। धरती के कुछ भाग या तो सालों तक सूखे रहते हैं या फिर वहां भयानक बाढ़ आ जाती है। पहाड़ों में भूस्खलन और ग्लेशियर का पिघलना भी प्रकृति के इसी अतिदोहन का परिणाम है। वन और पानी किसी भी समाज के लिए सबसे आवश्यक हैं। अगर ये विलुप्त हो जाएं त्राहिमाम मच जाए और सभ्यता का विनाश हो जाए।

जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरूरत है। जल, जंगल और जमीन तीनों उसके प्रमुख आधार हैं। लेकिन आधुनिकता और विलासिता की दौड़ और सबसे आगे निकल जाने की लालच में बढ़ते प्रदूषण ने जीवन के इन तीनों आधारों

को हमसे छीन लिया है जो कि हमारे आधुनिक और सभ्य कहे जाने वाले समाज की एक बहुत बड़ी विफलता है। यही वजह है कि आज देश की आबादी का बड़ा हिस्सा स्वच्छ और सुरक्षित पानी, शौचालय तथा शुद्ध हवा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित है। पर्यावरण पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। इस दिशा में समाज और सरकार को स्वच्छता और वृक्षारोपण को एक जनान्दोलन बनाने की तरफ सोचना होगा जिसके लिए समाज की सहभागिता होना पहली और आवश्यक शर्त है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण को बहुत गंभीरता से लेते हुए वृक्षारोपण को बहुत महत्वपूर्ण बताया। अपने मन की बात में प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोगों से अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ करते हुए नई दिल्ली के बुद्ध पार्क में पीपल का एक पौधा लगाया। साथ ही उन्होंने दुनिया भर के लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी मां के साथ मिलकर अथवा उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं। यह पेड़ उनकी तरफ से उनके लिए एक अनमोल उपहार होगा।

प्रधानमंत्री के इस अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान की शुरुआत की और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने को संकल्पित मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पिछले वर्ष 7 अगस्त को हरियाली तीज के अवसर पर दूदू जिले के गहोता में पीपल का पौधा लगाकर इस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया और पांच वर्षों में राज्य में 50 करोड़ तथा वर्ष

2024-25 में 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

हरियालो राजस्थान का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को हरा भरा बनाने और वन क्षेत्र का विस्तार करने के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन बनाए रखना है। इसके अलावा जैव विविधता का संरक्षण तथा वन्यजीवों के लिए बेहतर परिस्थिति की तंत्र तैयार करने में स्थानीय समुदायों की जागरूकता बढ़ाते हुए अभियान में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर पौधारोपण को जन आंदोलन बनाना भी हरियालो राजस्थान का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए सरकार ने पांच वर्षों में राज्य में पचास करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आह्वान पर प्रदेश में अभियान के पहले चरण में प्रदेश में सात करोड़ पौधे लगाए गए जिसका वर्ल्ड रिकार्ड भी बना। अभियान को आगे बढ़ाते हुए अब हरियालो राजस्थान के दूसरे चरण में दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के दूसरे चरण को सफल बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं और कई तरह के नवाचार भी किए जा रहे हैं। पौधों की सुरक्षा के लिए हरियालो राजस्थान नामक मोबाइल एप्लीकेशन बनाया गया है। लगाए गए हर पौधे की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिएइस एप्लीकेशन के माध्यम से प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग की व्यवस्था की गई है।

इस अभियान ने नवाचार, आधुनिक तकनीक और जन सहभागिता के माध्यम से जनआंदोलन का रूप ले लिया है। इसी क्रम में नदियों के किनारों, औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के आसपास, विद्यालयों, अस्पतालों तथा नगरीय क्षेत्रों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही इस अभियान में सामाजिक संघटनों,



शैक्षणिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इनके माध्यम से अभियान को जनसामान्य से जोड़ा गया और यह अभियान महज एक सरकारी कार्यक्रम न होकर जन आंदोलन का रूप ले चुका है। हर जिले में आमजन की भागीदारी से मातृवन बनाए जा रहे हैं जहां नागरिक अपने परिवारों की स्मृति में वृक्ष लगाकर प्यांवरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

आज हम जिस जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का सामना कर रहे हैं उसके पीछे वनों को कटाई एक प्रमुख कारण है। इसके कारण पिछले कुछ समय में मानव जाति को कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री ने जिस अभियान की शुरुआत कर दी है वह न केवल वनों और हमारे पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित करेगा बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण भी तैयार करेगा। लेकिन यहां बहुत ध्यान रखने की बात यह भी है कि जो पौधे या पेड़

लगाए जा रहे हैं उनकी देखभाल कितने समय तक की जाती है। उनकी देखभाल की जिम्मेदारी किनको दी जाती है। क्योंकि यहां आंकड़े दिखाते भर के लिए पौधे लगाना हमारा लक्ष्य नहीं है। हालांकि मुख्यमंत्री ने कहा है कि 200 पेड़ लगाने वाले को वृक्ष मित्र बनाया जाएगा। 2 हजार वृक्ष मित्र बनाए जाएंगे जिन्हें मानदेय भी दिया जाएगा। हमारा लक्ष्य बहुत महान है हमें अपने पर्यावरण को बचाना है उसे सुरक्षित करना है। इसलिए जितने उत्साह और जितनी तत्परता से हम पौधे लगा रहे हैं उन पौधों को जीवित रखने के लिए, उन पौधों को जीवित रखकर उन्हें बड़ा करने के लिए उससे भी अधिक उत्साह, तत्परता और परिश्रम की जरूरत पड़ेगी। उम्मीद है कि हम सब बड़ी जिम्मेदारी से इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री के हरियालो राजस्थान को संकल्पना को साकार करने की यात्रा के सहभागी बनेंगे।

–**रचना सिद्धा, सहायक जनसंपर्क अधिकारी**

योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बालोतरा पहुंचे, कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

बालोतरा, (निर्सं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एक दिवसीय दौरे पर बालोतरा पहुंचे। कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचने पर पुलिस दल ने मार्च पास्ट की सलामी दी। इसके पश्चात राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए वंचितों को योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रचार-प्रसार इस प्रकार हो कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक भी लाभ पहुंचे और वास्तविक जरूरतमंद वरग संशक्त हो सके।

राज्यपाल ने योजनाओं के समयबद्ध और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। इस दौरान राज्यपाल ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों का आवास योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ



बालोतरा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्राथमिकता से देने को कहा। बैठक के दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, मनरेगा, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, कुसुम योजना, मिशन हरियालो राजस्थान,

राजीविका, डेयरी विकास एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि बच्चों की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता

को एक साथ विकसित किया जाए। उन्होंने जिले के स्कूलों में खेल मैदानों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और छात्रावासों में न्यायामशाला एवं खेल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा। राज्यपाल बागड़े ने ‘मिशन हरियालो राजस्थान’ की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहा जाए, बल्कि उनकी सुरक्षा और सार-संभाल भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कम जल आवश्यकता वाले पौधों के रोपण को प्राथमिकता देने को कहा ताकि पर्यावरणीय संतुलन के साथ जल संरक्षण भी संभव हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना की समीक्षा करते हुए जल संचयन एवं भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में स्थानीय समाधान अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में वर्षा जल का संचयन उसी गांव में हो और वह व्यर्थ बहकर न जाए, इसके लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएं। जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ग्रामीण घर में शुद्ध पेयजल कनेक्शन सुनिश्चित किया जाए। यह केंद्र सरकार की प्राथमिक योजनाओं में से एक है और इसकी शत-प्रतिशत सफलता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राजीविका (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के तहत महिला समूहों के उत्पादों की मार्केटिंग बढ़ाई जाए और प्रत्येक महिला को

उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जाए। राज्यपाल बागड़े ने कृषि विभाग को मुदा परीक्षण कार्यक्रम के तहत अधिकतम किसानों को जोड़ने, वैज्ञानिक पद्धति से खेती को बढ़ावा देने, फार्म पॉन्ड निर्माण, फसल बीमा योजना के तहत पंजीकरण बढ़ाने और उत्पादकता एवं आय में वृद्धि हेतु तकनीकी मार्गदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में टोस अपशिष्ट निस्तारण की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने जैविक खाद निर्माण को प्रोत्साहित करने तथा इसे किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे स्वच्छता के साथ कृषि को भी लाभ हो। राज्यपाल बागड़े ने अंत में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य नागरिक को योजनाओं से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाएं केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि धरातल पर नजर आएँ।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक रमेश, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. डॉ. सुनी सोनी, सिवाना विधायक हमीरसिंह भायल, पंचपेढरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राशिफल शुक्रवार 25 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र सायं 4:01 तक, वज्र योग प्रातः 7:28 तक, किस्तुघ्न करण दिन 12:12 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरु-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज से नक्त व्रत आरम्भ होगा। आज जीवंतिका पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:32 तक, लाभ-अमृत 7:32 से 10:53 तक, शुभ 12:33 से 2:14 तक, चर 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:51, सूर्यास्त 7:15

मेघ घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।	सिंह घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक व्यक्तित्गत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।	धनु चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।
वृष परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्जनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	कन्या आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।	मकर परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
मिथुन व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण-प्रभाव बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	तुला व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।	कुंभ व्यवस्था संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बचा हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।
कर्क मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्यों योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	वृश्चिक नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटकें हूए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।	मीन व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

गैंगस्टर रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण के दो गुर्गे फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार

10 जुलाई को विदेशी हथियारों और कारतूसों सहित गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवाया था

सादुलपुर, (निंस्)। स्थानीय पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण गिरोह के दो गुर्गों को फर्जी पासपोर्ट मामले में प्रोडक्शन वारंट पर जेल से गिरफ्तार किया है।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि प्रकरण की जांच कर रहे एसआई धर्मेन्द्र सिंह ने मामले में जेल में बंद आरोपी देवकरण उर्फ देवा (३0) पुत्र वीरू राम जाट निवासी लालासर पुलिस थाना दूधवाखारा जिला चूरू, आरोपी विजय सिंह पुत्र जसवंत सिंह राजपूत (29) निवासी घण्टेल पुलिस थाना सदर जिला चूरू को फर्जी पासपोर्ट मामले में प्रोडक्शन वारंट पर पुनः गिरफ्तार किया है। पुलिस रिमांड के बाद पूछताछ कर दोनों आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में पेश कर जेल भिजवा दिया है।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि 10 जुलाई को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके के कब्जे से फर्जी पासपोर्ट तथा दो विदेशी हथियार और नौ जिंदा



फर्जी पासपोर्ट मामले में राजगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी देवकरण उर्फ देवा व विजय सिंह को प्रोडक्शन वारंट पर पुनः गिरफ्तार किया।

कारतूस बरामद किये थे। उन्होंने बताया कि पूछताछ कर दोनों आरोपियों को आम्स एक्ट के अंतर्गत जेल भिजवा दिया था तथा फर्जी

पासपोर्ट मामले में पूछताछ के लिए पुनः गिरफ्तार कर दो दिन का पुलिस रिमांड में पूछताछ कर दोनों को जेल भिजवा दिया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी चूरू सदर और कोतवाली के हिस्ट्रीशिटर हैं। गौरतलब है कि 10 जुलाई को देर शाम को पुलिस ने

■ दोनों आरोपी वर्तमान में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देकर फर्जी पासपोर्ट से विदेश भागने की फिराक में थे

आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध विदेशी यूएस मेड पिस्टल तथा दो जिंदा कारतूस तथा कब्जे से एक विदेशी यू एस मेड पिस्टल और सात जिंदा कारतूस सहित फर्जी पासपोर्ट बरामद किए गए थे। जिनके संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। गिरफ्तार आरोपी रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग के सदस्य है। दोनों आरोपी वर्तमान में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देकर फर्जी पासपोर्ट से विदेश भागने की फिराक में थे। आरोपियों के खिलाफ महिला थाना चूरू, कोतवाली चूरू, सदर चूरू दुधवाखारा, बिसाऊ, झुंझुनू में आपराधिक मामले दर्ज है।

प्रतापगढ़ के कई गांवों में तेज पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति कंपन हुआ, लोगों में भय की हत्या की, दोनों गिरफ्तार

■ ग्रामीणों के अनुसार कंपन करीब चार सेकंड तक चला, ठीक पहले विस्फोट जैसी आवाज भी सुनाई दी

को गंभीरता से लेते हुए वास्तविक कारणों की जांच के लिए टीमें भेज दी हैं। जानकारी का मानना है कि यह संभवतः हल्के स्तर के भूकंपीय झटके हो सकते हैं। कुछ ग्रामीणों और सीसीटीवी फुटेज में सामने आया है कि कंपन से ठीक पहले एक तेज विस्फोट जैसी आवाज सुनाई दी। क्योंकि आइतौर पर भूकंप के समय ऐसा विस्फोट जैसी आवाज कम सुनाई देती है, हालांकि कुछ मामलों में तेज ध्वनि या गड़गड़ाहट संभव है। हालांकि कुछ जानकारी का मानना है कि कुछ मामलों में भूकंप के दौरान धमाके जैसी आवाज सुनाई दे सकती है। ऐसी आवाज उस समय उत्पन्न होती है जब पृथ्वी के

भीतर चट्टानें टूटती हैं या खिसकती हैं। इससे उत्पन्न ऊर्जा कुछ क्षेत्रों में ध्वनि तरंगों के रूप में बाहर निकलती है। भूकंप का केंद्र सतह के करीब हो धरती की सतह कटोर और चट्टानी हो और वातावरण शांत हो। ऐसे में कंपन के साथ साथ तेज आवाज या धमाका महसूस हो सकता है।

कलेक्टर डॉ. अंजली राजोरिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में जांच टीमों को भेजा और कहा है कि प्रशासन पूरे मामले की गंभीरता से सीसीटीवी फुटेज व वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर जांच कर रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और अफवाहों से दूर रहें।

नकदी हड़पी

उदयपुर, (निंस्)। सूरजपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीडित को धोखे में रख नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पीडित प्रवीण माथुर ने ओमप्रकाश शर्मा पार्टनर मैसर्स विकेश लार्डफ फार्मिंस इन्ड्रा नगर दुविपुरा कोटी सीकर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

मदनगंज-किशनगढ़, (निंस्)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत गांव मुंडोलाव में ढाई वर्ष पूर्व पति की हत्या कर फरारी काट रही पत्नी सहित प्रेमी को धरदबोया।

थाना प्रभारी भीखाराम काला ने बताया कि 3 अगस्त 2024 को गांव मुंडोलाव निवासी पांचुलाल रेगर ने मामला दर्ज कराया था कि पुत्रवधु पिंकी रेगर (32) ने गांव के ही प्रेमी हरिप्रसाद रेगर उर्फ हरि (30) को साथ लेकर मेरे पुत्र सुरेश कुमार की शराब में किटनाशक पदार्थ मिलाकर हत्या कर दी। शक्तिर आरोपियों ने हत्या को दुर्घटना का रूप देने के लिये साजिश रची, किंतु सच्चाई सामने आ ही गई। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिये ढाई साल से निरंतर संभावित ठिकानों पर दबिश दी, पर इनका कोई सुराग नहीं लग पाया। इस बीच मुखबिर की इत्तला पर पिंकी व इसके प्रेमी हरि रेगर को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। शुरूआती पूछताछ के दौरान कातिलों ने गुनाह करने से साफ इंकार कर दिया,



गांव मुंडोलाव में ढाई वर्ष पूर्व पति की हत्या कर फरारी काट रही पत्नी सहित प्रेमी को गिरफ्तार किया।

लेकिन कड़ी पूछताछ के बाद हत्याकांड में संलिप्तता स्वीकार कर ली। हत्याकांड के खुलासे में पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण उमेश कुमार गौतम,

गांधीनगर थाना प्रभारी संजय शर्मा, शहर थाना प्रभारी भीकाराम काला सहित स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

जालमसिंह हत्याकांड के मुख्य व सह आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। सांचोर के बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी भागीरथ विश्नोई व सह आरोपी रोहित विश्नोई की राजस्थान हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज की है।

जानकारी के अनुसार गत वर्ष 18 अगस्त को पुलिस थाना सांचोर में परिव्रादी अनेप सिंह ने यह लिखित प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि मेरा छोटा बेटा जालम सिंह हुबली में भागीरथ विश्नोई की लॉज पर नौकरी करता था। भागीरथ कुछ समय से उसको बेतन नहीं दे रहा था। जालम सिंह ने भागीरथ से तनखाह के बकाया रुपए मागे तो भागीरथ विश्नोई ने उसे नौकरी से निकाल दिया। तब से जालम सिंह मेरे पास गांव में रह रहा था। तब कुछ समय पहले भागीरथ घर पर आया और उसने कहा कि आपके बेटे जालम सिंह ने पुलिस में हमारी मुखबिरी करके हमारी लॉज से डोडा पकड़ा दिए हैं, जिस कारण हमें 15 लाख रुपयों का खर्चा

■ 15 लाख की वसूली के लिए अपहरण कर हत्या करने का आरोप है

लगाया तब मुल्जिम भागीरथ ने जालम सिंह का फोन उठाया और बताया कि मैं भागीरथ बोल रहा हूं आपके लड़के जालम सिंह को मैं उठाकर घर लेकर आया हूं। आपके लड़के की मुखबिरी के कारण मुझे 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आप 15 लाख रुपए पहुंचा दो वरना हम आपके लड़के को जान से खत्म कर देंगे। फिर भागीरथ ने जालम सिंह की मेरे से फोन पर बात करवाई तो जालम सिंह ने रोते हुए बताया कि पापा यह लोग मेरे साथ बुरी तरीके से मारपीट कर रहे हैं, आप 15 लाख रुपए लेकर जल्दी आओ। अगर रुपए नहीं पहुंचाए तो यह लोग मेरी हत्या कर देंगे।

उस रिपोर्ट पर पुलिस थाना सांचोर ने भागीरथ विश्नोई व अन्य सह-आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर दौरान अनुसूचित उन्हें गिरफ्तार किया था। मुकदमे में भागीरथ विश्नोई व अन्य सह-आरोपियों के विरुद्ध हत्या

के प्रकरण में चार्जशीट पेश कर वर्तमान में मुकदमा अपर सेशन न्यायाधीश सांचोर में चल रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में इस सेशन केस के मुख्य मुल्जिम भागीरथ विश्नोई तथा सह आरोपी रोहित विश्नोई की ओर से उनके वकील ने जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया जिसका परिवादी अनेप सिंह की ओर से एडवोकेट निखिल षण्डारी ने विरोध जताया। उन्होंने कोर्ट में बताया कि भागीरथ विश्नोई ने रोहित विश्नोई व अन्य सह आरोपियों के साथ मिलकर जालम सिंह के साथ बुरी तरह मारपीट करके उसे 40 चोटों पहुंचाकर नृशंस हत्या की है जिसकी खुलेआम धमकी उन्होंने अनेप सिंह के घर आकर जालम सिंह को दी थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुकेश राजपुरोहित ने मुख्य मुल्जिम भागीरथ विश्नोई तथा सहआरोपी रोहित विश्नोई का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

हिंदी विषय की मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राथ्यक्रम-विद्यालय (संस्कृत- शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा- 2024 अंतर्गत हिंदी विषय के पद हेतु पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोगा सचिव ने बताया कि परीक्षातिरप 9 अप्रेल तथा 27 जून 2025 को हिंदी विषय के लिए जारी विचारित सूचियों में अस्थायी संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत उक्त विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 17 अप्थर्थी को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

तीन वाहनों की टक्कर में एक बालक की मौत, आठ घायल

- दो ट्रकों के बीच फंसी गई थी टक्करा कार, टक्कर के बाद कार अंदर से लॉक हो गई, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आई
- इंगरपुर के बोहरा समुदाय के एक ही परिवार के लोग गुजरात के मेहसाणा में दरगाह जियारत करने जा रहे थे

ट्रक में फंस गई। कार अंदर से लॉक हो गई, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आई। घायलों को त्रेन की मदद से कार से निकाला गया। हादसे में 11 वर्षीय मोहम्मद हुसैन की मौत हो गई और हुसैना पत्नी जाकिर हुसैन नाहरवाल, नफीसा पत्नी हुसैन, उनके बेटे अल्फिया पत्नी खोजेमा नाहरवाला, अल्फिया पत्नी मुस्ताफा, रशीदा खेरवाडावाला,

नफीसा और जांबिया होजेमा नाहरवाला घायल हो गई। सभी घायलों को अहमदाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मेहसाणा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही इंगरपुर के बोहरा समुदाय के लोग गुजरात के लिए रवाना हो गए।

पानी में डूबा युवक, तलाश जारी

टोंक, (निंस्)। दूनी थाना क्षेत्र के धारोला गांव के पास बुधवार शाम को कचोलाई नाडी (तालाब) में नहाने गए युवक के बहने के बाद गुरुवार को तलाश जारी है। वहीं दूनी थाना प्रभारी हेमंत जनागल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम युवक के तालाब में डूबने की आशंका से बुधवार शाम से ही तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर को धारोला निवासी रमेश मोणा जो गांव से करीब आधा किमी दूर श्मशान की ओर कचोलाई नाडी में नहाने गया था, वापस नहीं आने पर परिजनो ने उसे तलाशा। इस दौरान वह तालाब पर नहीं मिला, लेकिन उसकी चप्पलें, मोबाइल और कपड़े तालाब के बाहर मिले।

युवक के तालाब में डूबने की आशंका पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर दूनी थाना पुलिस व तहसीलदार मौके पर पहुंचे तथा एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया, जहां टीम ने रेस्क्यू कार्य प्रारम्भ कर युवक को तालाब में तलाशा जा रहा है। देर शाम तक युवक का कोई पता नहीं लगा है।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निंस्)। जिले के मलकाना खुर्द गांव में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। युवक लंबे समय से नशे का आदी था।

युवक की मां परमजीत कौर ने बताया कि नवजोत (25) कुछ समय से एक महिला के साथ रिलेशन में था। वह 13-एच ठंडा क्षेत्र में रह रहा था और मजदूरी का काम करता था। घटना के दिन वह गांव के ही करनी सिंह के साथ खेतों में मजदूरी करने गया था। जानकारी के अनुसार नवजोत पहले भी नशे की लत के कारण गंभीर समस्याओं से जुड़ चुका था। एक बार नशे का इंजेक्शन लगाने के कारण उसके हाथ को काटना पड़ा था। उसके बड़े भाई लड्डू

■ महिला के साथ रिलेशन में था युवक, लंबे समय से नशे का आदी था

सिंह की भी पहले नशे के कारण मौत हो चुकी है। घटना वाले दिन नवजोत बेहोशी की हालत में बस स्टैंड पर मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल चैन सिंह ने उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनो को सौंप दिया है। युवक की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला व किशोरी ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निंस्)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में महिला एवं किशोरी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षेत्र

■ आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया

कालीवास बखेडी फला निवासी भावना (35) पत्नी बाबूलाल गमेती ने 22 जुलाई को अपने मकान में फांसी लगा ली। इसकी सूचना मिलने पर एएसआर पर्वतसिंह ने पीहर काया से परिजनों को बुलवा मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनो को सौंपा। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

इसी तरह नाई थाना क्षेत्र पार्ग गांव निवासी गुड्डि (17) पुत्री राजमल भील

ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनो ने उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। हेड कांस्टेबल ललित नागदा ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनो को सौंपा। गुड्डि नवीं कक्षा में फेल हुई थी। गत दिनों एडमिशन कराने के बाद स्कूल नहीं जाने पर बुधवार को पिता ने एतराज किया था।

बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

श्रीगंगानगर, (निंस्)। श्रीगंगानगर शहर के पुरानी आबादी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रथमदृष्टया मामला लूट के बाद गला घोटकर हत्या का प्रतीत हो रहा है।

महिला वार्ड संख्या 8 स्थित 7 नंबर स्कूल के पास अपने घर में अकेली थी। जानकारी के अनुसार घटना के समय परिवार के तीन सदस्य किसी कार्यवश घर से बाहर गए हुए थे। घर लौटने पर परिजनो ने प्रोपदी देवी को अचेत अवस्था में पाया, जिसके बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटना की सूचना गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घर से करीब 15 हजार रुपए नकद, एक सोने का लॉकेट और अन्य आभूषण गायब हैं, जिससे लूट की पुष्टि संभावित हो रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम

■ प्रथमदृष्टया मामला लूट के बाद गला घोटकर हत्या का प्रतीत हो रहा है, महिला घर में अकेली थी

■ प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घर से करीब 15 हजार रुपए नकद, एक सोने का लॉकेट और अन्य आभूषण गायब हैं

के लिए राजकीय चिकित्सालय की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार घटना संभवतया दोपहर के किसी समय की हो सकती है, जब मोहल्ले में सन्नटा था।

दो ट्रक यूनियनों के बीच चल रहा विवाद हिंसक हुआ

श्रीगंगानगर, (निंस्)। श्रीविजयनगर में दो ट्रक यूनियनों के बीच चल रहा विवाद हिंसक हो गया। नई धान मंडी में दोनों गुटों के बीच मारपीट हुई और हवाई फायरिंग की घटना सामने आई। श्रीविजयनगर में दो ट्रक यूनियन कार्यरत हैं। धान मंडी के बाहर स्थित यूनियन का संचालन प्यारा सिंह करते हैं। नई धान मंडी में स्थित दूसरी यूनियन के संचालक प्रेम खख है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भंवरलाल के अनुसार आज प्यारा सिंह की यूनियन के लोग नई धान मंडी में पहुंचे। वहां दूसरे पक्ष के लोगों से उनकी मारपीट हो गई। दोनों गुटों के बीच लाठी-डंडे चले। इस दौरान एक खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई। किसी व्यक्ति ने दूर से हवा में फायरिंग भी की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। फायरिंग करने वाले व्यक्ति और उसकी गाड़ी की पहचान कर ली गई है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने नाकाबंदी की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही

■ धानमंडी में मारपीट और हवाई फायरिंग, 15 लोग हिरासत में, पुलिस ने नाकाबंदी करवाई

गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जेवर व नकदी चोरी : उदयपुर के गोमुन्दा कस्बे में स्थित सुने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र घासा थाना क्षेत्र में सूने मकान से चोर जेवर व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डालू पुत्र वजा मेघवाल निवासी रावलिण्या कला गोमुन्दा ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 22 जुलाई रात में अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़ कर चांदी की पायल, 2 बाइक, 20 हजार रुपये नकदी चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

जोधपुर, (कासं)। औद्योगिक इकाइयों व सीवेरेज के प्रदूषित पानी के भराव से परेशान डोली गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को नेशनल हाइवे 25 जाम कर दिया। श्मशान घाट में पानी भर जाने के कारण अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं होने के चलते ग्रामीणों ने एक किशोर के शव को हाइवे पर रख दिया। इससे दोनों तरफ आने-जाने वाले वाहनों की लंबी लाइनें लग गई। ग्रामीणों का कहना था कि प्रदूषित पानी से कई सालों से परेशान हैं। बारिश के समय यह पानी ज्यादा होने की वजह से पूरा भर जाता है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर की

■ ग्रामीणों ने जोधपुर-बाइमेर हाइवे पर शव रखकर प्रदर्शन किया, श्मशान में प्रदूषित पानी भरा है

फैक्ट्रियों से रसायनिक पानी बहकर बालोतरा जिले के डोली, अराबा गांव सहित आसपास के इलाकों में पहुंच जाता है। इससे पूरा गांव दूबा हुआ है। अराबा स्कूल में पूरा पानी भरा हुआ है। इससे बच्चों की पढ़ाई खराब हो रही है। इसको लेकर स्कूल के टीचरों ने शिक्षा विभाग व प्रशासन को भी अवगत करवा दिया लेकिन कोई समाधान नहीं निकल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि डोली गांव

निवासी भैराराम (16) पुत्र रामाराम मानसिक बीमारी से ग्रसित था। मथुरादास हॉस्पिटल में इलाज के दौरान गुरुवार को हम तोड़ दिया। वहां से गांव लेकर आए। अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जा रहे थे, लेकिन श्मशान घाट में प्रदूषित पानी भरा हुआ है। इस कारण अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे हैं। आक्रोशित लोगों ने शव को नेशनल हाइवे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रिंस सैनी बने अखिल भारतीय राजस्थान माली समाज के उपाध्यक्ष

जयपुर। अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन संस्थान पुष्कर की ओर से हार्वेस्ट कंपनी के सीईओ व फाउंडर प्रिंस सैनी को अखिल भारतीय राजस्थान माली समाज का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रिंस सैनी ने कार्यक्रम में हार्थोहाथ 51 लाख रुपए नगद समाज को दान में दिए और आने वाले तीन महीने के अंदर समाज के भलाई कार्यों जैसे कि भवन निर्माण, स्कूल निर्माण, चिकित्सालय निर्माण इत्यादि के लिए दो करोड़ रुपए देने की घोषणा की। राजस्थान के पुष्कर में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में कार्यक्रम में हार्वेस्ट कंपनी के सीईओ व फाउंडर एवं भोपालगढ़ निवासी प्रिंस सैनी ने बतौर अतिथिशिरकत की। जहां उनका गर्मजोशी के साथ में भव्य स्वागत किया गया। प्रिंस सैनी ने यहां आकर सबसे पहले अपने गुरुजी लखीदार का आशीर्वाद लिया और फिर महादेव मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। गौरतलब है कि इस कार्यकारिणी विस्तार और सम्मान समारोह में पूरे देशभर से माली समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रिंस सैनी को यह नया पद मिलने पर टीम मेंबरस और समाज के लोगों में खुशी का माहौल है। माली समाज के नवयुवक मंडल ने 21 किलो की माला से प्रिंस सैनी का स्वागत सम्मान किया।

‘नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया से ज्यादा अंक वाले अभ्यर्थी के कम अंक क्यों किए’

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पशु परिचर भर्ती-2023 में नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया के जरिए ज्यादा अंक वाले अभ्यर्थी के कम अंक करने और कम अंक वाले अभ्यर्थी के ज्यादा अंक करने पर पशुपालन विभाग के सचिव व निदेशक सहित राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुशेख बंसल ने यह निर्देश नितिन शर्मा को याचिका पर दिया।

याचिका में कहा गया कि उसने पशु परिचर भर्ती- 2023 में प्रार्थी ने भाग लिया। इस भर्ती के विज्ञापन में नॉर्मलाइजेशन की कोई भी शर्त नहीं थी। भर्ती परिणाम अप्रैल 2025 में जारी हुआ। इसमें प्रार्थी के ज्यादा अंक आए, लेकिन नॉर्मलाइजेशन के तहत उसने ज्यादा अंकों को कम कर दिया और कम अंक वाले अभ्यर्थी के ज्यादा अंक कर दिए। इससे निम्न वरीयता वाले अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुला लिया और प्रार्थी को इससे वंचित कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती

फर्जी दस्तावेजों पर सिम देने वाले वोडाफोन स्टोर के दो कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर । साइबर अपराधियों पर लगातार शिकंजा कस रही राजस्थान पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मोबाइल सिम कार्ड बेचकर साइबर अपराधों को बढ़ावा दे रहा था। इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए घनश्याम मीणा से मिली जानकारी के आधार पर जयपुर के मालपुरा गेट स्थित एक वोडाफोन स्टोर के दो कस्टमर रिलेशनशिप एजोक्यूटिव (सीआरई) कर्मचारियों को गिरफ्तार गया है। यह कार्रवाई साइबर क्राइम राजस्थान पुलिस ने की है, जिसने इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश कर दिया है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को साइबर क्राइम पुलिस को एक गोपनीय सूचना मिली थी कि मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में एक युवक फर्जी कामजात के जरिए मोबाइल सिम खरीदने आया है। सूचना

‘सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ’ अभियान में साफ-सफाई कर किया श्रमदान

जयपुर। जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड परिसर में गुरुवार को अनूठी पहल की शुरुआत की गई। सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत स्मार्ट सिटी परिसर में खाली पोर्च में सफाई कर सीटींग प्लेस बना दिया। गंदगी से अटी जगह के साफ होने पर यहां ऑफिस कर्मी एक साथ बैठ सके। ये अभियान गुरुवार को जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड की सीईओ डॉ निधि पटेल के नेतृत्व में चला। अभियान का मकसद कॉमर्शियल स्थानों पर खाली जगहों को कबाड़ की जगह सौंदर्यीकरण कर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए आमजन को जागरूक करना था। इस अभियान की जानकारी देते हुए स्मार्ट सिटी लिमिटेड सीईओ डॉ निधि पटेल ने बताया कि अमतौर पर कई बार देखा जाता है कि किसी ऑफिस या कमर्शियल साइट पर ऐसी कई जगह होती है, जिसे कबाड़ रूम बना दिया जाता है। ऐसे में स्मार्ट सिटी परिसर में बनी ऐसी ही जगह को हमने साफ कर सुव्यवस्थित करने का

शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने पशुपालन विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली

जयपुर । पशुपालन, गोपालन और मत्स्य शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट घोषणाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए क्रियान्विति की गति बढ़ाते हुए विभाग के अधिकारी काम करें।

उन्होंने राज्य बजट घोषणाओं में विभाग की प्राप्ति और उपलब्धियों की समीक्षा की। शासन सचिव गुरुवार को सचिवालय स्थित सम्मेलन कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

इस राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ प्रवीण सेन, डॉ विकास शर्मा, डॉ आमप्रकाश बुनकर सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संभाग के अतिरिक्त निदेशक, जिलों के संयुक्त निदेशक सहित वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटेरीनरी यूनिट, कॉल सेंटर तथा चैटबॉट के संचालन



पशुपालन, गोपालन और मत्स्य शासन सचिव डॉ समित शर्मा (बीच में) ने अधिकारियों के साथ बैठक की।

और प्रभावी पर्यवेक्षण, लंपी स्किन डिजीज तथा अन्य टीकाकरण, दवाईयों की समय पर उपलब्धता, सेक्स सॉर्टेड सीमन तथा केपीआई सहित अन्य विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी और उन पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ शर्मा ने कहा कि अनेक योजनाओं में अच्छा कार्य हुआ है लेकिन मंगला पशु बीमा योजना, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम और अस्पतालों में आउटडोर तथा सर्जिकल प्रोसीजरस की स्थिति अनेक जिलों में अत्यंत गंभीर है। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने अच्छा कार्य किया है उन्हें प्रशस्ति पत्र जारी

करने के निर्देश शासन सचिव ने दिए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कम प्राप्ति वाले जिलों को चिन्हित कर उनके उत्तरदायी अधिकारियों के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जिसके फलस्वरूप पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में 11 जिलों को, टीकाकरण के लिए 10 जिलों को, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लिए 9 जिलों को तथा 4 जिलों को मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट के क्षेत्र में निम्न प्रदर्शन के लिए तत्काल प्रभाव से नोटिस जारी कर दिए हैं।मोबाइल

वेटरिनरी यूनिट पर चर्चा करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि एमवीयू का संचालन बहुत चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एमवीयू में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं हो रहा है और यह एक औषधि वितरण की तरह काम कर रहा है जो कि बहुत ही गंभीर स्थिति है। इससे शिविरों की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने इन यूनिट्स का संचालन आरएफपी तथा फर्मों के साथ हुए अनुबंध की शर्तों पर ही कराए जाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने यूनिट्स की प्रभावी मॉनीटरिंग, स्टाफ की उपस्थिति, औषधियों/कन्ज्यूमेबल्स की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण सेवा

न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश अवैध: हाईकोर्ट

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके में असम से आई एक युवती से जयपुर में गैंगरेप का मामला सामने आया है। सस्ता रुम दिलाने का झंझा देकर आरोपित ने धोखा दिया। दो दोस्तों के साथ मिलकर जंगल में ले जाकर गैंगरेप किया। इस संबंध में थाने में पीड़ित युवती ने तीन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि असम की रहने वाली 26 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि स्या में जाँब के दौरान परिचित के जरिए उसे सोनू नाम के युवक के सम्पर्क नंबर मिले थे। आरोप है कि 7 जुलाई को जयपुर आने पर उसने सोनू नाम के लड़के से सम्पर्क किया। भांकरोटा इलाके में स्थित होटल में मुलाकात होने पर आरोपी सोनू ने सस्ता रुम दिलाने का झंझा दिया।

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कैंडर पुनर्गठन की मांग को लेकर एक सप्ताह से आंदोलन कर रहे कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश को अवैध घोषित कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने कर्मचारियों को 25 जुलाई को सुबह दस बजे काम पर वापस लौटने को कहा है। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि कर्मचारी तत्काल काम पर नहीं लौटे तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीट ने यह आदेश इब्रान व अन्य की ओर से दायर आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि कर्मचारी संघ ने रजिस्ट्रार जनरल के बजाय सीधे ही मुख्य सचिव के जरिए मुख्यमंत्री के नाम सामूहिक अवकाश पर जाने का अभ्यावेदन भेज दिया, जो कि गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। वहीं सीजे के तबादले और नए सीजे के कार्यभारण करने के बीच कर्मचारी हाईकोर्ट प्रशासन को बिना बताए ही

पुलिस ने किया छह आरोपितों को जिला बदर

जयपुर। राजस्थान गुण्डा अधिनियम के तहत जिला जयपुर पूर्व पुलिस की ओर से छह आरोपितों को जिला बदर (निष्कासन) तडीपात्र किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करन शर्मा पुलिस ने बताया कि विभिन्न अपराधों को अंजाम देकर समाज में भय और आतंक का माहौल निर्मित करने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ जिले में लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी चलते जिले से नोमान (23) निवासी शास्त्री नगर जयपुर, आसिफ (3३) निवासी शास्त्री नगर जयपुर,अनिल चौहान (24) निवासी गलता गेट जयपुर,राधाकिशन (35) निवासी गलता गेट जयपुर,मोहम्मद राजा कुरेशी (30) निवासी कोतवाली जयपुर और मोहम्मद मुस्तफा (38) निवासी शास्त्री नगर जयपुर को एक माह की समय अवधि के लिये जिला बदर किया गया है।

तत्काल काम पर नहीं लौटे तो होगी कार्रवाई : हाईकोर्ट

अवकाश पर चले गए जब वकीलों को ही हड़ताल पर जाने का अधिकार नहीं है तो फिर वेतन भोगी कर्मचारी ऐसा कैसे कर सकते हैं।

न्यायिक कर्मचारियों को राज्य सरकार के कर्मचारियों से अधिक वेतन और भत्ते मिल रहे हैं, इसके बावजूद भी पूर्ण पीठ ने राज्य सरकार को कैंडर पुनर्गठन का प्रस्ताव भेजा वहीं आगामी 25 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इसे लेकर बैठक भी होगी है।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में रजिस्ट्रार न्यायिक मनेज सोनी अदालत में पेश हुए। उन्होंने मामले की विस्तृत रिपोर्ट पेश कर कहा कि कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर जाने से कामकाज ठप हो गया है। वहीं कुछ वकीलों ने भी कहा कि निचली

गंदे नाले में भरे पानी में डूबने से युवक की मौत

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके में स्थित गंदे नाले में भरे पानी में डूबने से गुरुवार दोपहर एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को मदद से नाले से शव को बाहर निकाला। पुलिस को नाले के पास युवक की चप्पल खुली हुई मिली है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसपी) सोडाला) योगेश चौधरी ने बताया कि महेश नगर करतापुरा स्थित राधा गोविंद मंदिर के पीछे नाले में युवक की लाश मिली। दोपहर करीब 3 बजे लोगों ने गंदे नाले में भरे पानी में युवक को डूबते देखा। युवक के डूबने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। महेश नगर थाना पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन

- शासन सचिव ने अच्छा कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र एवं लापरवाही करने वालों को नोटिस और चार्ज शीट जारी करने के दिए निर्देश
- फिसट्टी रहे जिलों के अधिकारियों को जारी किए गए नोटिस

सुनिश्चित कराने तथा “1962-एमवीयू राजस्थान” चैटबॉट का व्यापक प्रचार-प्रसार कराए जाने पर विशेष बल दिया। मंगला पशु बीमा पर चर्चा करते हुए शासन सचिव ने निर्देश दिए कि अब तक 12 लाख से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी हो चुका है। 7 अगस्त तक शेष रह गए प्रमाण पत्र भी जारी करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिलों में एसआईपीएफ के जिलाधिकारी के साथ समन्वय कर कैप मोड में काम करें जिससे काम आसानी से और जल्दी हो सके।

सार-समाचार यात्रियों से मोबाइल चोरी करने वाले शातिर बदमाश को धर-दबोचा

जयपुर। सिंधी कैप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों से मोबाइल चोरी वाले एक शातिर बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से चोरी किया गया एक मोबाइल भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपित के पास से एक चाकु भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि सिंधी कैम्प थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाले अनिल शर्मा निवासी कोटा हाल बनीपाक जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से यात्रियों के चुराए गए मोबाइल सहित उसके पास से एक चाकु भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।



जयपुर। सिंधी कैप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों से मोबाइल चोरी वाले एक शातिर बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से चोरी किया गया एक मोबाइल भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपित के पास से एक चाकु भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि सिंधी कैम्प थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाले अनिल शर्मा निवासी कोटा हाल बनीपाक जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से यात्रियों के चुराए गए मोबाइल सहित उसके पास से एक चाकु भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

किसान कनेक्ट कैम्प आयोजित



जयपुर। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय कोटा के द्वारा दौसा के गडरावा पंचायत में विशाल किसान कनेक्ट एवं एग्री क्रेडिट कैम्प का आयोजन गंदराव के ग्राम पंचायत भवन में आयोजित किया गया जिसमें किसानों महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को ऋण उपलब्ध कराया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गडरावा के सरपंच महेश शर्मा थे। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय कार्यालय से उप श्रेष्ठ प्रमुख विजय तांती एवं राजीविका की सिकंदरा एरिया कॉर्डिनेटर अनिता रहे कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई । गदरावा के शाखा प्रबंधक शंकर लाल मीणा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया । गडरावा के सरपंच महेश शर्मा ने यूनियन बैंक के माध्यम से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की खूब प्रशंसा की और लोगों को यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया की हर संभव मदद करने की सलाह दी। सरपंच महेश शर्मा ने सम्पूर्ण क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए यूनियन बैंक का योगदान बताया । नोडल अधिकारी एन के शर्मा ने बताया कि आज के दिन यूनियन बैंक की विभिन्न शाखाओं में करोड़ों रुपए के केसीसी ऋण एवं सैंकड़ों स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण कर लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश की आर्थिक प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है ।

ऑटो में सवारी बैठाकर लूट करने का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो में सवारी बैठाकर लूटपाट करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लूट गए मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। इसके अलावा लूट की वारदात में प्रयुक्त एक ऑटो भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तैबजिव्नी गौतम ने बताया कि सांगानेर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो में सवारी बैठाकर लूटपाट करने वाले राकेश मीणा निवासी सतमथुप जिला सीआरयू हाल जवाहर सर्किल को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित अकेले खड़े व्यक्ति को अपने ऑटो से घर छोड़ने के लिए बैठा लेता है एवं थोडा आगे चलने के बाद पैसों की बात को लेकर बहस करता है और उसके बाद सवारी से पैसे व जो भी सामन होता है उसको छीनकर सवारी को सुनसान जगह पर उतारकर भाग जाता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

सिकलीगर लॉकर में रखे 10 तोला सोना और 50 हजार चुरा ले गए

जयपुर। श्याम नगर थाना इलाके में ताला-चाबी ठीक करवा लो की आवाज लगाकर घूम रहे दो युवकों को घर के अंदर बुलाना महंगा पड़ गया। अलमारी की चाबी बनाते समय नजर बचाकर दोनों बदमाशों ने लॉकर में रखा 10 तोला सोना और 50 हजार रुपए चोरी कर लिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर सिकलीगर की तलाश कर रही है। थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि देवी नगर के साबित्रा कालोनी निवासी दिव्या राठीड़ ने मामला दर्ज करवाया है कि 19 जुलाई को दोपहर कॉलोनी में दो सिकलीगर घूम रहे थे। ताला-चाबी ठीक करवा लो की आवाज सुनकर दिव्या राठीड़ की मां ने उन्हें रोक लिया। अलमारी के लॉक की ड्रुलीकेट चाबी बनाने के मजदूरी तय की। इसके बाद अलमारी के लॉकर की चाबी बनाने के लिए घर के अंदर बुला लिया। चाबी बनाते समय सिकलीगर ने अकेली महिला की नजर बचाकर लॉकर खोलकर उसमें रखे 10 तोला सोने के गहने, चांदी की 3 जोड़ी पायल और 50 हजार रुपए चोरी कर लिए। अगले दिन अलमारी बंद करवाया देखने पर गहने-कैश गायब मिला। जिसके बाद सिकलीगर की चोरी करने की करतूत का पता चला। पीड़ित ने थाने में आरोपी सिकलीगर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

डिजाइनरों और सांस्कृतिक विचारकों ने साझा किए अनुभव

जयपुर। शहर के एफ़ेएफ़डी स्टूडियो में गुरुवार को आयोजित बनाना चैट 9.0 में डिजाइन और रचनात्मक कन्स्युनिटी के सदस्यों ने डिजाइन अभ्यास में सहयोग पर केंद्रित सार्थक चर्चा की। चर्चा में भादत की प्रतिष्ठित वास्तुकला और डिजाइन स्टूडियो लोट्स की प्रिंसिपल आशा साईराम ने भी हिस्सा लिया। संचालन डिजाइनर और संस्थापक आयुष कासलीवाल ने किया। प्रिंसिपल आशा साईराम ने सहयोग का निर्माण :एक विक्वास-पतन अभ्यास शीर्षक से व्याख्यान में विश्वास और भेद्यता विकसित करने समेत रचनात्मक तनाव को दूर करने तक की प्रक्रियाओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि प्रतिभा वास्तव में सामूहिकता का एक कार्य है। कार्यक्रम में आर्किटेक्ट शामिनी शंकर, आर्किटेक्ट संगीता मैथेल, प्रो. एएएस राठीर, अर्चना राठीर, रेखा नेमानी, रितु खंडेलवाल, नीलम नारंग, चिनार फारूकी और सोनल चित्रांशी आदि मौजूद रही। डिजाइनरों और रचनात्मक लोगों को अभ्यास की गहरी परतों पर चिंतन, प्रश्न और जुड़ाव के लिए चैट बनाना एक मंच पर लाया।

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित



जयपुर। झोटवाड़ा, शहीद मेजर आलोक माथुर महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय झोटवाड़ा में तिलक, मौली और माला द्वारा नव प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों का स्वागत और अभिनंदन किया गया । हरियाली अमावस्य के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया और सभी अभिभावकों को पौधों को वितरित करने का कार्यक्रम स्थानीय पार्षद शेर सिंह जी धाकड़ के मुख्य आतिथ्य एवं बच्चू सिंह जी धाकड़, राजेंद्र शर्मा जी, राज सिंह जी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया । विद्यालय प्रबंधन समिति तथा विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति की मीटिंग का भी आयोजन किया गया ।विद्यालय हित के विभिन्न विषयों पर गंभीरता पूर्वक चिंतन किये गये।

#LIFESTYLE

RAINFOREST LIFE
and DIET HELP

Human microbiome in urbanized societies contains a far less diverse array of species than that of people living more traditional, pre-modern lifestyles in the Amazon jungle of Venezuela and Peru.



City-dwelling kids, who immersed themselves in a South American jungle and the high-fiber, unprocessed diet of local villagers, had more diverse gut microbes than before they visited, new research suggests. The findings could have benefits for people with obesity, type 1 diabetes, and other disorders. Researchers followed seven city-dwelling adults and children who lived in a remote Venezuelan jungle village without electricity, soap, or other amenities for 16 days. For the children, their microbiome, the beneficial germs in their intestines, skin, mouths, and noses, became more diverse, with higher proportions of helpful bacteria. A similar change did not occur in the adults who visited the rainforest. "The findings suggest dietary interventions to encourage a more diverse microbiome may best succeed in children, while the microbiome of adults may be more resistant to change," says senior researcher Maria Gloria Dominguez-Bello, a professor in Rutgers University-New Brunswick's biochemistry and microbiology department and anthropology department. Dominguez-Bello found in previous studies that the human microbiome in urbanized, more modernized societies contains a far less diverse array of species than that of people living more traditional, pre-modern lifestyles in the Amazon jungle of Venezuela and Peru. Dominguez-Bello studies the connection between the microbiome and human health and how early impacts



on the microbiome may contribute to the rise of obesity, diabetes, and other conditions in developed countries. The subjects of the new experiment stayed in a rainforest village in southern Venezuela near the border with Brazil. Their daily diet consisted of cassava, fish, a little meat, and a lot of fruit. They adopted the local circadian rhythm with eight hours of sleep and bathed in a river without soap. Researchers swabbed the subjects' skin, nostrils, mouths, and feces for microbe samples several times during the study, and compared them with samples from villagers. They found that the urban visitors began with a less diverse microbiome than that of the locals. Over the 16 days, the urban children, but not the adults, showed significant microbiome changes, though the health implications are uncertain. Dominguez-Bello says more research is needed to better understand the 'age window' at which the microbiome can change, and to separate the various factors, diet, day/night cycles, physiology, and others, that may affect these changes.



Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveler
Storyteller

he old Maruti Suzuki Celerio coughed and sputtered in a mechanical protest against the steep incline. Inside, Ananya giggled, her hand lovingly finding Arjun's knee. "Poor thing, she's not used to such heights, is she?"

Arjun, his eyes fixed on the winding mountain road, smiled. "She's doing her best. Besides, it's worth it for this, isn't it?" He gestured vaguely at the panorama of different shades of green outside the window. The air was growing perceptibly cooler with every hairpin bend.

They were on their way to Solan, a quaint hill station nestled in the Himalayas, a much-needed escape from the relentless summer heat of Delhi. Their bags were packed with light woollens and a shared excitement for the unknown. This trip, unlike their usual hurried weekend getaways, was about leisurely exploration, about reconnecting with each other amidst nature's grandeur.

The rhododendron forest began subtly, a scattering of crimson and pink amidst the dominant green. Soon, it enveloped them, a riot of color that stole Ananya's breath. "Stop! Arjun, stop the car!" she exclaimed, her voice bubbling with delight. He pulled over to the side of the road. The Celerio sighed in relief. The air that wafted in was crisp, carrying the scent of pine and damp earth. And then, they heard it, a soft, persistent murmur that grew into a resonant roar. "A waterfall!" Arjun grinned, unbuckling his seatbelt. "Perfect timing."

They scrambled out, drawn by

the sound. Just a short walk through the dense foliage and they emerged into a clearing. Before them, a magnificent waterfall cascaded down a rocky face, its waters shimmering like liquid silver sheet in the afternoon sun. The rhododendrons here were even more vibrant, a living frame around the natural wonder.

Ananya spun around, her arms outstretched, inhaling the cool mist. "This is incredible, Arjun! Absolutely breathtaking!" He watched her, a warmth spreading through him. Her infectious joy was one of the many things he adored about her. "It really is something," he agreed, his gaze drifting upwards, tracing the path of the water. "I wonder where it starts."

Ananya followed his gaze. The waterfall seemed to emerge from a jagged crevice high above, almost swallowed by the towering trees at the summit. A faint, almost imperceptible, trail seemed to snake its way upwards along the edge of the cliff.

"Let's go find out!" she said suddenly, her eyes sparkling with a mischievous glint. "Let's climb to the top. Imagine the view from up there!"

Arjun hesitated. "Ananya, it looks a bit... steep. And we're not exactly equipped for a serious climb. "Oh! don't be such a spoilsport!" she teased, already taking a few tentative steps towards the narrow path. "It's not Everest, Arjun. It's just a little hill. We'll be careful. Please!" Her lower lip jutted out in a playful pout that he found impossible to resist.

He sighed, a smile tugging at the corners of his lips. "Alright! Alright! But if we break an ankle, it's on you."

With a triumphant laugh, Ananya led the way. The initial ascent was deceptively easy, a well-trodden path through a tunnel of small bushes and pine trees. The air grew cooler, and the roar of the waterfall intensified, a constant companion on their upward journey.



Rhododendron Trek.



The Incomplete Holiday

The path, however, soon began to narrow, becoming less defined and more treacherous. Loose stones shifted underfoot and the incline became steeper. The thick rhododendron bushes, once a source of beauty, now seemed to crowd them, their branches sometimes impeding their progress.

#PRECIOUS



Shimla Stunt.

ney. They pointed out interesting rock formations, laughed at their own clumsiness and shared sips from their water bottle.

The path, however, soon began to narrow, becoming less defined and more treacherous. Loose stones shifted underfoot and the incline became steeper. The thick rhododendron bushes, once a source of beauty, now seemed to crowd them, their branches sometimes impeding their progress.

"Are you sure about this, Ananya?" Arjun called out, his voice a little strained from exertion. He was walking behind her, his hand ready to steady her if she faltered.

She turned, her face flushed with effort but her eyes still bright. "Almost there. I can feel it! Look, the trees are thinning out. We must be close to the top."

He gritted his teeth and pressed on. The sun was beginning its slow descent, casting long shadows that distorted the already challenging terrain. The air was thinner here, carrying a distinct chill that made him shiver despite the exertion. Or was it a premonition?

Finally, after what felt like an eternity, trees gave way to a wider, flatter expanse. They had reached the summit.

The view was fabulous. Below them, the valley stretched out, a patchwork of greens and browns fields, dotted with tiny, toy-like houses. The winding road they had driven on looked like a slender ribbon. From a jagged cleft just metres away, the waterfall plunged down, a dazzling rope of white froth against the darkening rock.

Ananya let out a gasp of pure wonder and joy. She turned to Arjun, her face alight with triumph. "I told you! I told you it would be worth it!"

He laughed, a genuine, unburdened sound. He was tired, but the exhilaration of the climb and the stunning vista erased all discomfort. He took a step closer to the edge, peering down at the churning



waters below. "It's even more magnificent from up here," he murmured, leaning forward slightly, his hands instinctively bracing against a moss-covered rock. "I'm coming, Arjun! I'm coming!" she sobbed, though she knew, with a horrifying certainty that she couldn't.

And then, as she watched, helpless, a cold, hard knot formed in her stomach. The movement stopped. The blue speck remained still, utterly terrifyingly still, swallowed by the now indifferent roar

fixed on the blue speck. It moved again, a slight, almost imperceptible twitch. Hope, fragile and desperate, flared within her. He was alive. He was moving.

"The driver, a middle-aged man with kind eyes and a weathered face, looked at her in surprise. Ananya, gasping for breath, her voice hoarse and broken, spilled out the story, a torrent of words tumbling out in no particular order. "My husband... fell... waterfall... gorge... please, you have to help!"

His flailed arms were windmill-like while trying to regain his balance. For a terrifying moment, he seemed to defy gravity, suspended between sky and chasm. Ananya screamed, a raw primal sound of terror. And then, he was gone.

The silence that followed was deafening, broken only by the continued roar of the waterfall, now a cruel, indifferent sound. Ananya scrambled to the edge, her heart hammering against her ribs, a cold dread seizing her.

She peered over, her vision blurred by tears that sprang unbidden to her eyes. Far below, amidst the churning white water and jagged rocks, she saw him. A flash of blue, his shirt. He was moving. A faint, almost imperceptible stirring. "Arjun!" she shrieked, her voice hoarse, desperate. "Arjun! Hold on!"

She scrambled at the loose earth, her nails tearing, her mind racing in a frantic, futile search for a way down. But the cliff face was sheer, unforgiving. Her gaze was



Wine and Cheese Together

here are some things in the world that were just meant to go together, like Chocolate and Peanut Butter, oil and vinegar, and of course, wine and cheese! For a long time, wine and cheese have been paired together and served at all the most important of events among the highest class of people. Wine And Cheese Day celebrates this eternal bonding and the elegance it engenders. The best way to celebrate Wine and Cheese Day is by hosting a wine and cheese tasting of your very own! Get together with your friends and plan out the evening with every variety of cheese and wine that you can imagine.



Manikaran Accident.

whose name she now knew as Prakash, peered over the edge. "There, I see him!" he called out. "He's... he's still there."

Using the ropes, Prakash and his friends carefully began their descent. Ananya watched, her heart in her throat, as they painstakingly made their way down the sheer cliff face. It seemed to take forever. Finally, they reached Arjun. They shouted something up to her, but the wind snatched the words away.

Suddenly, the wail of a siren pierced the mountain air. An ambulance appeared on the road below, its flashing light was a welcome beacon in the twilight. The hill rescue team, called by Prakash earlier, had arrived. Working with practiced efficiency, the rescue team, now in contact with Prakash's group via the mobiles, began to set up a more robust rescue operation.

Ropes were secured and a makeshift stretcher was assembled. It was an agonizing wait for Ananya, watching as the shadows lengthened and the chill deepened. Finally, after what felt like an eternity, Arjun was slowly, painstakingly, brought up from the gorge. He was unconscious, his face pale and smudged with dirt.

The rescue team immediately took over. A quick primary evaluation was done. "Head injury causing unconsciousness," one of the paramedics stated gamely. "And... looks like a fractured femur."

The journey to the local hospital was a haze. The ambulance swayed and bounced on the winding roads, each bump a fresh jolt of anxiety for Ananya. She sat beside Arjun, clutching his cold hand, whispering words of encouragement, prayers forming unspoken on her lips. The paramedics worked diligently, their quiet efficiency a small comfort in the overwhelming chaos of her world.

The small, local hospital, though modest, was a hub of activity upon their arrival. Nurses and doctors moved quickly, a flurry of controlled urgency. Ananya was gently, but firmly, led away as



Poon Hill Trek.

Arjun was wheeled into the emergency room. All she could do was wait and pray that the man she loved would open his eyes again.

The rhododendron-scented air, the cascading waterfall, the thrill of the climb, all the ingredients for their perfect hill station getaway had dissolved into a stark, painful reality of anguish. The holiday was unequivocally over. Instead of leisurely drives and scenic hikes, their days would now be dictated by hospital schedules, doctor's rounds and the slow, arduous process of healing.

Later, as Ananya sat beside Arjun, watching the slow, steady rise and fall of his chest, a different kind of relief washed over her. He was awake. He was here. His eyes, though still a little hazy, met hers, conveying a silent gratitude that transcended words. The terrifying stillness she had witnessed in the gorge was gone, replaced by the undeniable, precious presence of life.

The immediate crisis had passed. Help, in the form of the compassionate locals, the swift rescue team and the dedicated hospital staff, had been given. Rahul, their steadfast friend, was just hours away. The comforting thought that promised not just practical support but also the emotional ballast they would both desperately need. The fracture was set. The head injury, while concerning, was being monitored.

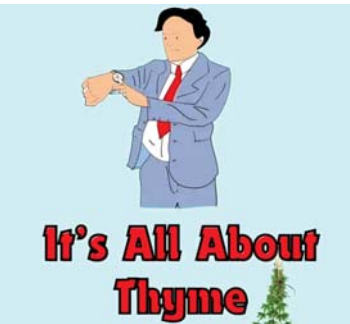
Their spontaneous adventure had ended in disaster. But it had also, in its own brutal way, forged a deeper connection between the two, and unveiled the innate kindness of strangers. The mountain, which had taken so much, had also, in the generosity of its people, given something back: hope. Their journey home would be delayed, their plans irrevocably altered, but Arjun was awake, and that, in this moment, was everything. The Almighty was indeed mysterious in his ways.

|| || ||
rajeshsharma1049@gmail.com

#LOL

It is Pun time...!!

I stayed up all night to see where the sun went. Then, it dawned on me!



It's All About
Thyme



In Alarming
Situation

What do you call an alligator in a vest? An investigator.

What did one eye say to the other? Just between you and me, something smells.

Why do defense lawyers go out for Mexican food when they are feeling down? To get some case-ideas.

Why do Buddhist monks avoid sending word documents? They're supposed to avoid attachments.

Why do teenage girls travel in odd numbered groups? Because they just can't even.

I'm reading a book about anti-gravity. I just can't put it down.

I stayed up all night to see where the sun went. Then, it dawned on me.

Broken pencils are pointless. I don't enjoy computer jokes. Not one bit.

I changed my phone's name to Titanic. It's syncing now.

I got a job at a bakery, because I knead dough.

Why aren't depressed people worried about flat tires? They always carrying despair.

Did you hear about the banker who left her job? She just lost interest.

My friend fell into an upholstery machine. He's fully recovered now.

A clown held the door open for me. What a nice jester!

They say that no two people see color the exact same way, so really, color is just a pigment of your imagination.

Did you hear about the guy who pickpocketed a dwarf? How could anybody stoop so low?

Why don't chemists like puns? All the best ones argon.

How can you tell when a clock is hungry? It goes back four seconds.



TIME
PUNS

My friend David just had his ID stolen. We just call him Dav now.

What do you call it when a cat wins first place at a dog show? A cat-has-trophy.

Why do bulls make terrible salesmen? They charge too much.

Did you hear about the guy who ate six cans of alphabet soup? He had the biggest vowel movement ever.

Somebody just broke into my apartment and stole every lamp, flashlight, and lightbulb. I'm so delighted.

I was going to tell a joke about sodium, but then I thought, 'Na, Plateaus are the highest form of flattery.'

I don't trust stairs. They're always up to something.

I keep trying to start exercising, but it just isn't working out.

What kind of doctor is always on call? An oncologist.

Why are noses in the middle of your face? They like to be the center of attention.

I just opened a fortune cookie with nothing inside. How unfortunate!

To be frank...I'd have to change my name.

Why don't tennis players get married? Because love means nothing to them.

How does Moses make coffee? Hebrews it.

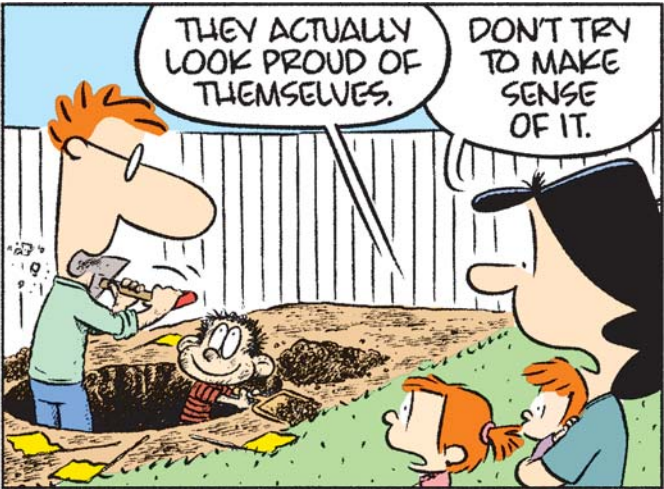
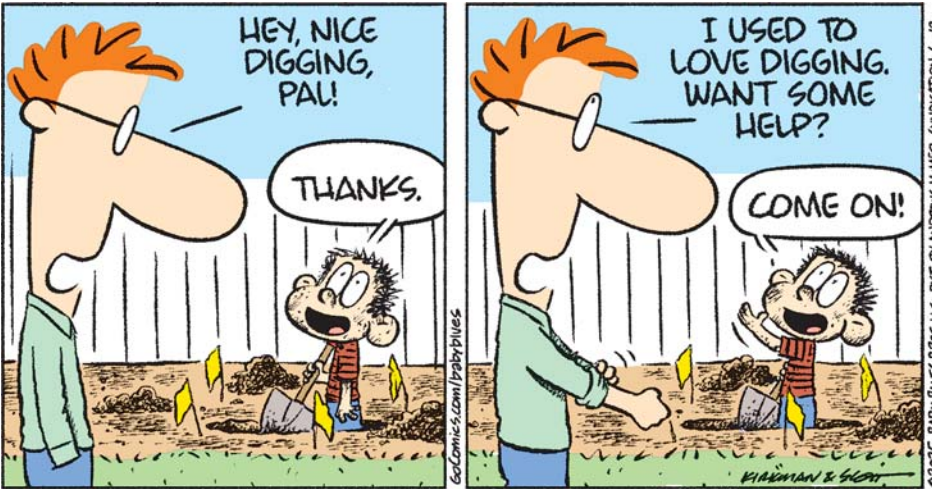
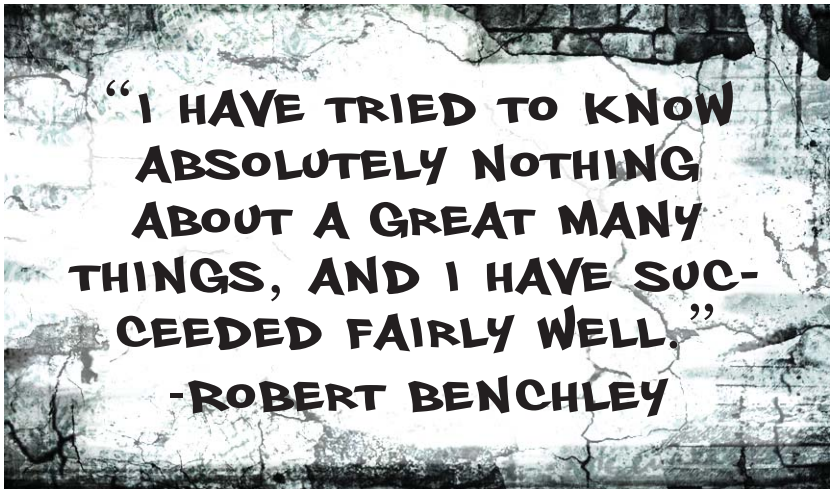
Never trust a statistician. They're always plotting something.

Why? He's two helium isotopes so funny. HeHe!

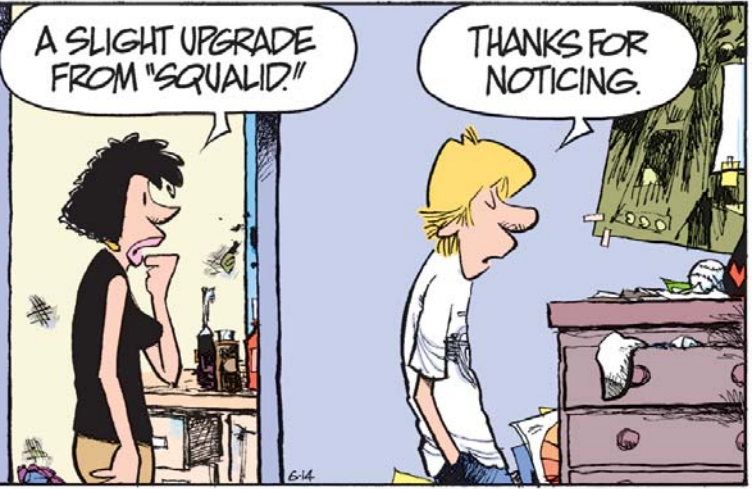
By Rick Kirkman & Jerry Scott

BABY BLUES

THE WALL



ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

गुरुवंदन कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड स्थित राजकीय कन्या महाविधालय में गुरुवार को गुरुवंदन कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. आर. पी. गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया। प्राचार्य ने कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत करते हुये छात्राओं को जीवन में गुरू के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गुरू, शिष्य के जीवन को एक सार्थक दिशा देता है। भारत में यह परम्परा अनादिकाल से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि एक लक्ष्य निर्धारित करते हुये उसे प्राप्त करने के लिए उद्यम करना चाहिये। हिन्दी विभाग द्वारा यू.जी.सी द्वारा आयोजित नेट परीक्षा जुन 2025 उत्तीर्ण करने पर छात्रा खुशबु जांगिड एवं नीतू स्वामी का सम्मान किया गया। प्रो. मनोज कुमार सैनी ने बताया कि छात्राओं ने प्रथम प्रयास में ही यह सफलता अर्जित कर अन्य छात्राओं के लिये प्रेरणादायी कार्य किया है। प्रो. जगराम गुर्जर ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं डॉ. कमलेश यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राये उपस्थित रहे।

छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग

अलवर। छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर अलवर शहर के स्टूडेंट्स ने गुरुवार को जेल चौराहा से कला कॉलेज तक विरोध रैली निकाली। वहीं अलवर से छात्र जयपुर के लिए पैदल निकले। बीच में आने वाले कॉलेज छात्रों को जोड़ेंगे। इससे पहले अलवर में कला कॉलेज प्राचार्य को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया। छात्र नेताओं अंकित गुर्जर और विनोद ने कहा कि छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर भाजपा सरकार लगातार चुप्पी साधे हुए है, जिससे छात्रों में भारी नाराजगी है। उन्होंने बताया कि अब तक कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं और कई बार शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी किए गए, लेकिन सरकार ने इस गंभीर मुद्दे पर कोई ध्यान नहीं दिया। आक्रोशित छात्रों ने अब जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने का निर्णय लिया है।

हरियालो राजस्थान को लेकर एसडीएम ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

हरियाली तीज के अवसर पर प्रभारी मंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारी व राज्य सरकार के निर्देशानुसार पौधारोपण की तैयारी, जिला कलेक्टर सवाईमाधोपुर का गंगापुर सिटी दौरे को लेकर तैयारियों की समीक्षा की गई। उपखण्ड अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारिगण अवॉर्गित लक्ष्यो के अनुसार पौधारोपण कर, किये गए पौधारोपण की जियो टैगिंग करना सुनिश्चित करें। कम प्रगति वाले सम्बन्धित अधिकारियों को उक्त कार्यक्रम मे प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। एसडीएम द्वारा अवगत कराया गया कि 27 जुलाई को हरियाली तीज के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा अवॉर्गित लक्ष्यों के अनुसार अधिकाधिक पौधारोपण करने हेतु दिशा निर्देश दिए है। एनटीएम ने बताया कि जिला सवाईमाधोपुर में ८5.०० लाख पौधो का पौधारोपण करने हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त दिवस जिला स्तरीय /ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम हेतु पौधा लगाने हेतु ग्राम पंचायत अमरगढ चौकी मे जगह प्रस्तावित है। उक्त दिनांक को जिला प्रभारी मंत्री का गंगापुर सिटी दौरा

हरियाली अमावस्या पर मदनमोहन जी मंदिर में रही धूम

करौली, (निंस्.)। करौली के प्रसिद्ध मदन मोहन मंदिर में हरियाली अमावस्या पर श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड पडी वही पुलिस प्रॉासन ने मंदिर जाने वाले हर मार्ग पर दोपहिया से लेकर तिपहिया और चोपहिया वाहनो को आवाजाही रोक दी जिससे लोगो का राहत महसूस हुई। गुरुवार को प्रातः 4:00 बजे मंगला आरती से ही दर्शनार्थियों का मंदिर मे आना शुरू हो गया। यह क्रम देर रात शयन आरती तक जारी रहा। मंदिर को आम और अशोक के पत्तों व फूलों से सजाया गया। भगवान को हरे वस्त्र पहनाए गए। सभी श्रांक्तियों में भगवान के विठाह हरे वस्त्रों में विराजमान थे।वन विहार झांकी का विशेष आकर्षण रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने विशेष इंतजाम किया।हिंडौन दरवाजा,वजोीपुर गेट और गणेश गेट पर एक तरफा यातायात व्यवस्था लागू की गई। तिपहिया और चैपहिया वाहनो का प्रवेश रोका गया। मदन मोहन जी मंदिर मार्ग पर मोटरसाइकिलो की आवाजाही पर भी प्रतिबंध रहा।

कल्याणपुरा कुहाड़ा में भाजपा के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों का अभिनंदन

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत कल्याणपुरा कुहाड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय परिसर में गुरुवार को हरियालो राजस्थान अभियान के एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पौधारोपण किया। साथ ही भाजपा जयपुर देहात उत्तर के जिला पदाधिकारियों का भी ग्रामीणों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस मौके पर नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह व जयराम सिंह गुर्जर, जिला महामंत्री एड. सुरेन्द्र चौधरी, कार्यालय प्रभारी एड. अशोक सुरेलिया व जिला मंत्री प्रतिनिधि पूर्व चेयरमैन एड. महेन्द्र सैनी का ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिला



कोटपूतली में भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

उपाध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि भाजपा बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को साथ

लेकर मजबूती के साथ कार्य कर रही हैं। संगठन में शक्ति ही भाजपा की

पहचान है।

इस मौके पर प्रतिभावन

‘शिक्षक के मेहनत व समर्पण से राष्ट्र का निर्माण’

पावटा। कस्बे के पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रागपुरा में प्रधानाचार्य बाबूलाल वर्मा का स्थानान्तरण हो जाने पर ग्रामीणों व स्टॉफ सदस्यों की ओर से विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान वर्मा समेत जालिम सिंह का स्थानान्तरण होने पर माला, साफा व प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। निवर्तमान प्रधानाचार्य बाबूलाल वर्मा ने कहा कि शिक्षक का कार्य कड़ी मेहनत व समर्पण के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग देना होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उन्हें जीवन में संस्कार व अनुशासन सिखाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिये। बालकों की यही पीढ़ी देश का भविष्य है। विद्यालय में नए पद पर कार्यभार टाहण किये प्रिंसिपल विपिन कुमार मामोडिया व वाईस प्रिंसिपल मनीषा देवी का भी विद्यालय स्टाफ व ग्रामवासियों के द्वारा स्वागत कर दोनों को विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी गईं।

भाजपाईयों ने कलक्टर से की शिष्टाचार भेंट

कोटपूतली। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी से शिष्टाचार भेंट की। स्वच्छता सेवा दल संयोजक प्रवीण कुमार बंसल समेत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जिला कलक्टर का श्री बांके बिहारी का चित्र एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया गया।

इस मौके पर नगर मंत्री अरविंद कुमार सैनी के नेतृत्व में नगर परिषद क्षेत्र के नागाजी की गौर में बंद पडी रोड लाईटों एवं सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि नागाजी की गौर में अधिकांश रोड लाईटों पिछले कई महीनों से बंद पडी हैं, जिससे क्षेत्र में अंधेरा छाया हुआ है, रात्रि के समय महिलाओं व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिससे असामाजिक तत्वों एवं अपराधिक गतिविधियों के बढने का खतरा क्षेत्रवासियों को सता रहा है। पिछले 06 महीनों में स्थानीय प्रशासन एवं नगर परिषद को बार-बार शिकायत करने पर भी कोई उचित कार्यवाही नहीं की जा रही है। स्थानीय प्रशासन की लापरवाही का परिणाम क्षेत्र की आम

हरियालो राजस्थान अभियान के एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम शर्मा, पूर्व पंसस रामनिवास चंदेला, पूर्व सरपंच यादराम सिरोडिया, भोमसिंह, सुभाष शर्मा, तेजपाल सिंह, रामावतार सिंह, धोलाराम गुर्जर, धर्मपाल गुर्जर, रामसिंह, लेखराज गुर्जर, हरचंद शर्मा, महावीर शर्मा, भवानी सिंह, शिषू गुर्जर, महावीर सिंह, राजेन्द्र सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

इस मौके पर प्रतिभावन

नगर परिषद की अत्यवस्थाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

जनता को भुगतना पड़ रहा है। साथ ही नागाजी की गौर में सफाई व्यवस्था भी पिछले कई महीनो से चरमराई हुई है। बरसात के दिनों में जगह-जगह जल भराव की स्थितियां पैदा हो रही हैं, जिससे मच्छर पैदा हो रहे हैं एवं मौसमी बीमारियों व संक्रमण फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

नालियों में गंदा एवं बदबूदार पानी भरा हुआ है, नालियों की सफाई भी पिछले कई दिनों से नहीं की जा रही है। स्थानीय प्रशासन को बार-बार इन समस्याओं के बारे में अवगत कराया जा चुका है। जिला कलक्टर ने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस दौरान भाजपा नगर मंत्री दयाराम कुमावत, अरविंद कुमार वर्मा, रामसिंह सैनी, अनूप आर्य, बिल्लूराम सैनी, सदीप आर्य, विक्रम आर्य, मुकेश, दिनेश व जयराम सैनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार-समाचार

फलदार व छायादार पौधे लगाये



टोंक। राजकीय महाविद्यालय टोंक में एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्राचार्य के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस मौके पर महाविद्यालय टोंक के रविन्द्र उद्यान में एनसीसी कैडेट्स ने पौधे लगाए। प्राचार्य ने एनसीसी कैडेट्स से कहा कि इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व का सम्मान करना है। प्रकृति भी मां की तरह हमारा संरक्षण करती है और मानव जीवन से इसका संबंध सामाजिक, पारिवारिक व भावनात्मक रूप से है, वृक्ष जहां हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं वहीं यह औषधिक के रूप में उपयोग लिए जाते हैं। इस अभियान में कैडेट्स ने फलदार व छायादार पौधे जैसे नीम, जामुन, शीशम व आंवला इत्यादि का रोपण किया और इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। इस अभियान में लेफ्टिनेंट मोहम्मद बाकिर हुसैन, डॉ निमिता गुप्ता, तुलसीराम साहू, शफी मोहम्मद व अनेक एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

कांवडिये पावटा से हरिद्वार रवाना

पावटा। श्रीराम डाक कांवड सेवा संघ पावटा द्वारा विशाल डाक कावड यात्रा के लिए समिति का 11 सदस्यीय जत्था गुरुवार को हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। इस पावन यात्रा का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को प्रबल करना है। यात्रा की शुरुआत से पहले समिति के सदस्यों ने विशेष पूजा-अर्चना की, जिसमें भगवान शिव और गौमाता के प्रति अपनी आस्था और समर्पण को व्यक्त किया गया। इसके बाद, बम बम भोले के जयकारों के साथ जत्था उत्साह और भक्ति के साथ हरिद्वार की ओर प्रस्थान किया। श्रीराम डाक कावड सेवा संघ पावटा से प्रहलाद सैन, राजू शर्मा, हरिओम भारद्वाज, आशीष पंचोली,राहुल भांजा, मनोज जांगिड, वैभव सोनी, रोशन लाल प्रजापत, काना राजपूत, छोट्टीसिंह राजपूत, प्रद्युम्न चौहान ,भंडारी मनोज टीलावत, मनोज सैनी ने बताया कि, ये यात्रा गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर आयोजित की गई है। उन्होंने कहा गौमाता भारतीय संस्कृति और परंपरा की प्रतीक हैं। हमारी ये यात्रा न केवल भगवान शिव के प्रति हमारी भक्ति को दर्शाती है, बल्कि गौवैश्व के संरक्षण और सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी उजागर करती है। यात्रा का समापन 29 जुलाई को होगा, जब जत्था हरिद्वार से डाक कांवड लेकर पावटा के श्री नरसिंह मंदिर में बाबा भोले का जलाभिषेक करेंगे। ये जलाभिषेक भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने और गौमाता के सम्मान को बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाएगा

विवेकान्त शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष बने

पावटा। ग्राम विकास अधिकारी संघ ब्लॉक पावटा के चुनाव पंचायत समिति सभागार में पर्यवेक्षक प्रकाश चंद गुर्जर व निर्वाचन अधिकारी पूरण मल सैन के सानिध्य में सम्पन्न हुए।इसमें नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे ब्लॉक अध्यक्ष विवेकान्त शर्मा,ब्लॉक मंत्री एवं कोषाध्यक्ष मालीराम यादव, सदस्य के रूप में तीन सदस्य नेमी चंद गुर्जर, धंवी मीणा, राहुल बैरवा, एवं जिला प्रतिनिधि के रूप में विजय सिंह जाखड निर्वाचित हुए।एनई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को चुनाव पर्यवेक्षक ने अपने कर्तव्यों के निर्बहन की शपथ दिलावाई।

प्रभावशाली लोग थडी ठेले वालों से वसूल रहे हैं रुपए

करौली, (निंस्.) करौली शहर के मुख्य सड़क मार्गों पर लगने वाले फल, सब्जी, चाट पकौडी आदि के ठेलो से दुकान, मकान मालिको के अलावा प्रभावशाली लोग किराए के नाम पर राशि वसूल कर नगर परिषद प्रशासन और जिला प्रॉासन को चुनौती दे रहे हैं जिनके लगने से कोतवाली से लेकर हिंडौन दरवाजे तक दिन भर आम सड़क मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संवाददाता की खस रिपोर्ट के अनुसार जिला मुख्यालय स्थित गुलाब बाग से लेकर कोतवाली थाना, सामान्य चिकित्सालय से हिंडौन दरवाजा, फूटकोर्ट चैराहा शहर का सबसे व्यस्ततम सड़क मार्ग है जिस सड़क मार्ग के हलात खस तौर से कोतवाली से लेकर सामान्य चिकित्सालय से हिंडौन दरवाजे तक मुख्य सड़क मार्ग पर फल, सब्जी, चाट पकौडी, आदि के लगने वाले ठेलो से दिनभर वाहनो का जाम लगने से पैदल राहगीरों के अलावा मदन मोहन जी मंदिर के दर्शनों के लिए शहर से जाने वाले महिला, पुरुषों सहित दूर दराज से आने वाले दर्शनार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसके अलावा सामान्य चिकित्सालय में उपचार के लिए आने वाले रोगियों को भी भारी परेशानियों से जूझते देखा जाता है।

संभागीय आयुक्त का रामगढ़ क्षेत्र का दौरा

अलवर । संभागीय आयुक्त श्रीमती पूनम ने आज अलवर के दौरे पर रहकर रामगढ कस्बे में उपखण्ड अधिकारी कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं बगड राजपूत में चारागाह विकास कार्य व जोहड खुदाई कार्य का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

संभागीय आयुक्त ने सीएचसी रामगढ का निरीक्षण कर जनरल वार्ड, जच्चा बच्चा वार्ड, पर्ची काउंटर, दवाई वितरण केंद्र आदि का जायजा लिया। उन्होंने सीएचसी प्रभारी को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होवे इसके लिए चिकित्सालय की सभी व्यवस्थाएँ पुख्ता रखे। उन्होंने चिकित्सालय में सिजेरियन डिलीवरी शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि अधिक से अधिक मरीजों के मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में क्लेम बुक कर उन्हें समुचित इलाज मुहैया करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि सीएचसी पर दवाओं एवं उपकरणों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ साफ-सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखे। उन्होंने सीएचसी में मरीजों एवं आमजन से बातचीत कर उनकी बीमारी की जानकारी ली तथा चिकित्सालय की

आमजन की परिवेदना का त्वरित निस्तारण, विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं बगड राजपूत में चारागाह विकास कार्य व जोहड खुदाई कार्य का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया, जिस

पर आमजन ने सीएचसी की व्यवस्थाओं को बेहतर बताया। संभागीय आयुक्त ने बाहड राजपूत में चारागाह विकास कार्य एवं जोहड कार्य का अवलोकन कर निर्देश दिये कि जोहड को प्राकृतिक स्वरूप के अनुसार विकसित करावे तथा दोनों स्थानों पर अधिकाधिक पौधारोपण करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे। संभागीय आयुक्त ने उपखण्ड अधिकारी कार्यालय रामगढ का निरीक्षण किया। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि कार्यालय में रिकॉर्ड आदि का व्यवस्थित रूप में संभारण किया जावे। उन्होंने ई-फाइलिंग पर जोर देते हुए

निर्देश दिये कि पेपर वर्क के स्थान पर अधिकांश कार्य ई-फाइल के माध्यम से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य अनुसार आमजन की सहभागिता से अधिकतम पौधारोपण हरियाली तीज के अवसर पर कराया जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि त्रि-स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था एवं नियमित जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की परिवेदनाओं का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में निस्तारण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं से अंतिम पंक्ति तक के पात्रा व्यक्ति को जानकारी प्रदान कर योजनाओं से लाभान्वित करावे।

सिलीसेढ़ झील को रामसर साइट घोषित किये जाने का प्रस्ताव

अलवर। अलवर सांसद और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने जिबॉब्बे में आयोजित रामसर सीओपी 15 में अलवर की प्रतिष्ठित सिलीसेढ़ झील को रामसर साइट घोषित किये जाने का राहट महसूस हुई। गुरुवार को प्रातः 4:00 बजे मंगला आरती से ही दर्शनार्थियों का मंदिर मे आना शुरू हो गया। यह क्रम देर रात शयन आरती तक जारी रहा। मंदिर को आम और अशोक के पत्तों व फूलों से सजाया गया। भगवान को हरे वस्त्र पहनाए गए। सभी श्रांक्तियों में भगवान के विठाह हरे वस्त्रों में विराजमान थे।वन विहार झांकी का विशेष आकर्षण रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने विशेष इंतजाम किया।हिंडौन दरवाजा,वजोीपुर गेट और गणेश गेट पर एक तरफा यातायात व्यवस्था लागू की गई। तिपहिया और चैपहिया वाहनो का प्रवेश रोका गया। मदन मोहन जी मंदिर मार्ग पर मोटरसाइकिलो की आवाजाही पर भी प्रतिबंध रहा।

अलवर ने वेटलैंड कन्वेंशन के सम्मक्ष अरुणपल प्रदेश के रत्नो लेक, बिहार के गोगाबिल लेक, गुजरात के छारी डांड वेटलैंड रिजर्व और गोसावरा वेटलैंड को भी रामसर स्थलों की सूची

में सम्मिलित करने का प्रस्ताव रखा है। रामसर स्थल के रूप में नामित होने से किसी आद्रभूमि (वेटलैंड) को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता, संरक्षण प्रयासों में वृद्धि, और सतत विकास तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के अवसर मिलते हैं। पिछले लगभग एक दशक में भारत में रामसर स्थलों की संख्या 250 प्रति. बढ़ी है।

91 रामसर स्थलों के साथ भारत में अब एशिया में सबसे अधिक रामसर साइटें हैं। हाल ही में, राजस्थान के फूलौदी में खोचन और उदयपुर में मेनार को रामसर स्थल घोषित किया गया है। रामसर साइटों की यह वृद्धि भारत की आद्रभूमि के संरक्षण और प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रामसर साइटों की संख्या में वृद्धि, अमृत धरोहर जैसी पहल और वेटलैंड रोगों की मान्यता से यह स्पष्ट है कि भारत वेटलैंड्स के संरक्षण को महत्व दे रहा है। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी है।

राजपूत समाज की बैठक में अध्यक्षों का मनोनयन

अलवर। आज राजपूत सभा जयपुर इकाई अलवर की बैठक अध्यक्ष सुरजवान सिंह गौड की अध्यक्षता में होटल स्वूप विलास, मोती डूंगरी अलवर में सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष सुरजवान सिंह गौड़ ने बताया कि बैठक श्री राजपूत सभा जयपुर, इकाई अलवर के अलवर जिला तहसील के अध्यक्षों का मनोनयन निम्नानुसार किया अलवर शहर अध्यक्ष – शिव ओम सिंह तेंवर अलवर ठाणीण अध्यक्ष – राजील सिंह नरूका (पृथ्वीपुरा) अजील गड्यक्ष – हाकम सिंह पाड़ा कटुपर अध्यक्ष – रोहिताश्व सिंह (बहतुकेला) थानागाजी अध्यक्ष – श्याम सिंह (बसई जोगियान) रामगढ अध्यक्ष – सुबे सिंह (घाट)

आज बैठक में राजेश सिंह बहाली, जितेन्द्र सिंह पलवा, प्रकाश सिंह बढेर, सुबे सिंह घाट, दशरथ सिंह शेखावत, मानवेन्द्र सिंह राघव, जयप्रताप सिंह, धर्मेन्द्र सिंह नरूका, कूलदीप सिंह, धंवर सिंह गौडा, विक्रम सिंह राजोड, ललित बौरा, प्रदीप सिंह नरूका, धंवर सिंह नरूका, भूपेन्द्र सिंह चौहान आदि शामिल रहे।

निस्वार्थ की गई सेवा ही परमात्मा की सेवा : ज्ञान प्रकाश दायमा

सांभरझील , (निंस्)। यहां लंबे समय से अंबेडकर भवन में चल रही निशुल्क कंपटीशन क्लासेस में प्रतियोगी परीक्षा तैयारी करने वाले क्षेत्र के अनेक बालिकाओं का रुझान लगातार बढ़ता

प्रधानाचार्य ललित वर्मा ने संयुक्त रूप से 110000 रुपए की राशि का एक स्मार्ट बोर्ड व फर्नीचर संस्था को भेंट

जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में अलग जगाने वाली प्रमुख संस्था की इस पहल की पूर्व उपखंड अधिकारी अंजू वर्मा ने भी जमकर तारीफ की बल्कि अनेक दफा यहां का निरीक्षण कर आयोजकों का हौसला भी बढ़ाया। बालिकाओं को निशुल्क कंपटीशन क्लासेज पढाई के लिए अंजू वर्मा, एसीएस धारा वर्मा, प्रधानाचार्य ललित वर्मा ने संयुक्त रूप



सांभर में बालिकाओं को निशुल्क कंपटीशन क्लासेज चलाई जा रही है।

से 110000 रुपए की राशि का एक स्मार्ट बोर्ड व फर्नीचर संस्था को भेंट किया। इस मौके पर दायमा ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सार्थक परिणाम देती है, इसीलिए सभी को अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा भाव करते रहना चाहिए। अंबेडकर भवन में

प्रतिदिन विद्यार्थियों को 4 घंटे विद्वान शिक्षकों द्वारा निःशुल्क अध्ययन करवाया जा रहा है। शैक्षणिक टीम में निराश्रित प्राचार्य कॉलेज शिक्षा प्रोफेसर डॉ.ज्ञान प्रकाश दायमा द्वारा विज्ञान एवं अंग्रेजी, व्याख्याता जितेंद्र दुलारिया द्वारा इतिहास कला एवं

संस्कृति , व्याख्याता विनोद दुलारिया द्वारा भूगोल एवं राजनीति विज्ञान, व्याख्याता बैंक प्रबंधक मनोज कुमार वर्मा एवं बाबूलाल ससलानिया द्वारा गणित, मांगीलाल बंसीवाल द्वारा तर्क शक्ति विषय का अध्यापन करवाया जा रहा है।

34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी प्रतियोगिता कल से

जयपुर, 24 जुलाई। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच कल राजस्थान यूथ क्लब बनाम मिनर्वा क्रिकेट क्लब के मध्य एस एच एस ग्राउंड पर खेला जाएगा। प्रतियोगिता में 16 टीमों भाग ले रही है तथा सभी मैच 50-50 ओवर के खेले जाएंगे।

देवेन्द्र शेखावत क्रिकेट एकेडमी ने जीता हॉट वेदर जयपुर कप सीजन-2 का खिताब, शिफान का अर्द्धशतक



जयपुर, 24 जुलाई। एआर क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में ए आर क्रिकेट ग्राउण्ड में आयोजित अंडर -17 हॉट वेदर जयपुर कप सीजन-2 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में देवेन्द्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने जी आर क्रिकेट अकादमी को 5 विकेटों से हराया। जी आर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 192 रनों पर ऑल आउट हो गई, जवाबी पारी में देवेन्द्र क्रिकेट अकादमी ने 5 विकेटों से मैच को जीतकर चैंपियन बनी। फाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच देवेन्द्र शेखावत एकेडमी के शिफान खान हैं। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी- एम डी शादब, बेस्ट बेट्समैन- आराध्य अग्रवाल, बेस्ट बॉलर- अर्जुन ऋषि, बेस्ट फील्डर- नितिन रहे । मुख्य अतिथि पूर्व रणजी खिलाड़ी यूनास अली खान ने विजेता टीम को 5100 ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 11100 रुपए व ट्रॉफी प्रदान की। टूर्नामेंट के ऑर्गनाइजर जीशान खान ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 2100 रुपए, बेस्ट बेट्समैन,बेस्ट बॉलर,बेस्ट फील्डर प्रत्येक को 1100 रुपए पुरस्कार प्रदान किये।

लक्ष्मीकांत तंवर आईटीएफ में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

जयपुर, 24 जुलाई । लिसबन पुर्तगाल में आयोजित होने वाली आई.टी.एफ. मास्टर वर्ड टीम चैंपियनशिप 3-14 अगस्त 2025, में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सीनियर 55 वर्ष भारतीय टेनिस टीम में जयपुर के लक्ष्मीकांत तंवर क चयन किया गया है। वर्तमान में भारतीय पुरुष एकल सीनियर 55 वर्ष में इनकी द्वितीय रैंकिंग है तथा यह पूर्व 2019 में भी भारतीय टेनिस टीम में खेल चुके हैं ।

राज्य स्तरीय रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट आज से



जयपुर, 24 जुलाई। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वधान में जिला बैडमिंटन संघ द्वार आयोजित राज्य स्तरीय रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट सवाई मानसिंह स्टेडियम के इनडोर हॉल पर दिनाक 25 जुलाई से प्रारंभा प्रतियोगिता के आयोजन सचिव मनोज दासोत ने बताया कि राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में रिकार्ड 1100 एंट्री प्राप्त हुई जिसमें 700 लड़के और 400 लड़किया भाग ले रही हैं प्रतियोगिता 8.30 बजे शुरू होगी प्रतियोगिता में पुरुष एकल, युगल, मिश्रित युगल व महिलाों में भी एकल युगल व मिश्रित युगल वही बालक बालिकाओं में भी एकल युगल व मिश्रित युगल मुकाबला आयोजित होंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजन पर राजस्थान बैडमिंटन टीम का चयन किया जाएगा जो कि हिमाचल में होने वाली नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान टीम भाग लेगी। प्रतियोगिता के चीफ रेफरी लोकेश सोनी और चैच कंट्रोलर विनोती शर्मा होंगे।

यति क्रिकेट अकादमी जीती



जयपुर, 24 जुलाई। अंडर-16 अरावली कप में एम्री क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 175 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए। तविश शर्मा ने सर्वाधिक 49 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से अधिषेक वर्मा ने तीन, वरुण, हेमाद्र और सोम्य खांडल ने दो-दो विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यति क्रिकेट अकादमी ने 28 ओवर में 179 रन 4 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। अमरनाथ ने 59 और वरुण ने 56 रनों का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच वरुण को चुना गया।

पीएम मोदी ने चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की

लंदन, 24 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनाइटेड किंगडम की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, आज चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करने में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। मोदी इन दिनों दो दिवसीय ब्रिटेन यात्रा पर हैं। ब्रिटेन के मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में दोनों देशों के बीच चौथे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल चल रहा है।

डकेट-जैक ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, भारत ने झटके 2 विकेट

मैनचेस्टर, 24 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में 114.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 358 रन बनाए हैं। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स ने पांच विकेट झटके। इसके जवाब में इंग्लैंड को सलामी बल्लेबाजों ने दमदार शुरुआत दिलाई है।

जैक क्रॉउली और बेन डकेट के बीच पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी हुई। जैक क्रॉउली को जडेजा ने आउट किया। जैक 113 रेंड में 84 रन बनाकर आउट हुए। बेन डकेट 100 रेंड में 94 रन बनाकर आउट हुए। अंशुल ने उन्हें पवेलियन भेजा। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर जो रूट 11 और ओली पप 20 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत की ओर से रविंद्र जडेजा और अंशुल कंबोज ने 1-1 विकेट लिया।

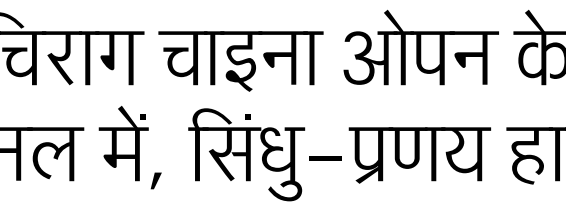
सात्विक-चिराग चाइना ओपन के क्वार्टरफाइनल में, सिंधु-प्रणय हारे

चांगझाऊ, 24 जुलाई। उन्नित हुड्डा ने गुरुवार को चाइना ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बड़ा उपलब्ध कर रहे हुए हमवतन सीनियर खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हराकर महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जाहदा बना ली। वहीं सात्विकसाईंराज व करींरूढ़ी और चिराग शेठ्ठी की युगल जोड़ी भी इंडोनेशिया के लियो रेली कार्नाडो और बागस मौलाना को हराकर क्वार्टरफाइनल पहुंची गई है। चीन के के योंगझाउ में ओलंपिक स्पेर्ट्स सेंटर जिमनेजियम में बैडमिंटन रैंकिंग में 35वें स्थान पर मौजूद 19 वर्षीय उन्नित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक घंटे और 13 निमट तक चले मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु को 21-16,



भारत ने मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा का विकेट गंवाया। जडेजा 40 रेंड में 20 रन बनाकर आउट हुए। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें आउट किया।

शार्दुल ठाकुर 88 रेंड में 41 रन बनाकर बेन स्टोक्स का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर ने 90 रेंड में 27 रन बनाए। अंशुल कंबोज खाता नहीं खोल सके। विकेटकीपर ऋषभ पंत पहले दिन



बाद विश्व नंबर 15 सिंधु ने वापसी करते हुए 13-13 की बराबरी कर ली, लेकिन हुड्डा ने कोर्ट का अच्छी तरह से इस्तेमाल करते हुए सिंधु से कुछ गलतियां कराईं और पहला गेम 21-16 से जीत लिया।अपने पिछले राउंड में विश्व नंबर 6 तोमोका मियाजकी को हराने वाली सिंधु ने दूसरे गेम में तेज गति दिखाई और हुड्डा के द्वारा कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद बराबरी कर ली। फिर सिंधु ने आखिरी दो प्वाइंट्स हासिल करते हुए दूसरा गेम 21-19 से जीत लिया और सभी निर्णायक गेम में चला गया। दूसरे गेम के अंत में मिली हार के बावजूद, उन्नित ने सफल बनाए रखा और तीसरे गेम में आक्रमक और नई ऊर्जा के साथ 11-9 की मामूली बढ़त बनाई। इसके

पहले गेम की शुरुआत में उन्नित ने अनुभवी सिंधु के शॉट्स की बखूबी बराबरी की और मिड-गेम ब्रेक तक 11-9 की मामूली बढ़त बनाई। इसके

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 60 रनों से हराया



माइकल बेसवेल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसके बाद टोनी मुनयोंगा और ताशिंगा मुसेकिवा जिम्बाब्वे की पारी को संभालते हुए 95 के स्कोर तक ले गये। 14वें ओवर में सोदी ने टोनी मुनयोंगा 30 रेंडों में (40) को आउट कर जिम्बाब्वे की उम्मीदों को झटका दिया।वेलिंग्टन

मसाकाटजा (दो) और ताशिंगा मुसेकिवा (21) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड ने 18.5 ओवर में जिम्बाब्वे को 130 के स्कोर पर समेट कर 60 रनों से मुकाबला जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से ईश सोदी ने 12 रन देकर चार विकेट लिए। मैट हेनरी को दो विकेट मिले। जैकरी फॉक्स , विलियम ओरूक और माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में टिम रॉबिंसन (10) का विकेट गंवा दिया। उन्हें रिचर्ड एग्नरावा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने टिम सीफर्ट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी हुई।

राजस्थान अंडर-17 फुटबॉल टीम घोषित, आसू सिंह कप्तान

जयपुर, 24 जुलाई। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वाधान में मध्यप्रदेश के बालाघाट में होने वाली डॉ. बी सी राॅय जूनियर बाॅयज नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली राजस्थान फुटबॉल टीम की घोषणा आज जयपुर में हुई, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि त्रि माह सीकर में हुए राज्यस्तरीय जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का पंद्रह दिन का प्रशिक्षण



शिबिर गाड़ीता, जयपुर में लगाया गया उनमें से 20 श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया तथा टीम का कप्तान आसू सिंह एवं उपकप्तान अधिष्ठित सकलानी को घोषित किया गया। राज्य टीम की जर्सी एवं कीट लॉन्चिंग विद्याधर नगर फुटबॉल मैदान पर की गई खिलाड़ियों को जर्सी हायर

मुख्यमंत्री के सहयोग से सवाई मानसिंह स्टेडियम के उपयोग पर आरसीए-राज्य क्रीड़ा परिषद के मध्य बनी सहमति : कुमावत

जयपुर, 24 जुलाई। आरसीए एडहॉक कमेट्री संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व खेल मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ के निर्देशानुसार राजस्थान में क्रिकेट के विकास, युवा खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाओं सहित उच्च स्तरीय क्रिकेट मैदान उपलब्ध कराने के लिए आरसीए एडहॉक कमेट्री हर संभव प्रयास कर रही है । आज मुख्यमंत्री के विशेष सहयोग से राज्य के युवा खिलाड़ियों की आवश्यकता व राज्य में क्रिकेट को वापस पुन: पटरी पर लाने हेतु एडहॉक कमेट्री संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य आशीष तिवारी व क्रीड़ा परिषद सचिव राजेंद्र सिंह की उपस्थिति में आरसीए व राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मध्य जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम के उपयोग पर सहमति बनी।



डी डी कुमावत के अनुसार जब से राज्य सरकार द्वारा नव गठित आरसीए एडहॉक कमेट्री ने पदभार ग्रहण किया है कमेट्री का उद्देश्य राज्य में क्रिकेट को सभी विवादों से दूर कर खेल के विकास का रहा है जिसमे मुझे सभी एडहॉक सदस्यों धनजय सिंह खीवरसर, पंकेश पोरवाल, आशीष तिवारी व मोहित

यादव का पूर्ण सहयोग मिला है। एडहॉक कमेट्री के सभी सदस्यों के पूर्ण प्रयासों से ही अब राजस्थान क्रिकेट संघ जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम व आरसीए अकादमी ग्राउंड पर बीसीसीआई की क्रिकेट प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण शिविर, आरसीए की घरेलू प्रतियोगिताएं, शिविर सशुल्क आयोजित की जाएगी व आरसीए द्वारा सभी गतिविधियों का विवरण समय समय पर क्रीड़ा परिषद को दिया जायेगा। संयोजक के अनुसार आरसीए के दैनिक कामकाज भी पूर्व की भांति अकादमी स्थित आरसीए ऑफिस से ही किये जाने पर सहमति बनी है व आरसीए कार्यालय का प्रतिभाह का कारिया भी आरसीए राज्य क्रीड़ा परिषद को देगा।

आरसीए को प्रतिदिन के हिसाब रेंट पर मिलेगा सवाई मान सिंह स्टेडियम : स्टेडियम में

क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड में टी20 और वनडे में सीरीज जीत की सराहना की है। सचिन ने कहा, इंग्लैंड में जीतना हमेशा एक चुनौती होती है, और टी20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता को दर्शाता है। भारत ने टी20 सीरीज 3-

क्या आप जानते हैं ?... पहली बार 1967 में भारत ने एजबेस्टन में टेस्ट मैच खेला था, जिसमें इंग्लैंड ने भारत को 132 रनों से हराया था।



चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने जड़ा अर्द्धशतक, भारत 358 रन पर सिमटा

मैनचेस्टर, 24 जुलाई। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत लंगड़ाते हुए जब गुरुवार को मैदान पर बल्लेबाजी के लिए पहुंचे तो उन्होंने साबित कर दिया कि देश से बढ़कर उनके लिए कुछ नहीं है। वह मून बूट पहनकर मैदान पर पहुंचे और बल्लेबाजी करते नजर आए। वह मून बूट पहनकर मैदान पर पहुंचे और बल्लेबाजी करते नजर आए। भारत के लिए पहली पारी में पंत ने 54 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। ऋषभ पंत ने चोटिल होने के बावजूद मैदान पर उतरते हुए अर्धशतक जड़ा लेकिन भारत की पहली पारी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को दूसरे सत्र में 358 रन पर सिमट गयी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 72 रन देकर पांच विकेट और जोफ्रा आर्चर ने 73 रन पर तीन विकेट लिए। भारत ने दूसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और ऋषभ पंत के साहस की बदौलत 350 से अधिक का स्कोर खड़ा कर लिया। भारत का इस सीरीज में ये छठा 350 स्कोर है और एक सीरीज में टीम इंडिया की तरफ से ये सर्वाधिक है। इंग्लैंड की ओर से सबसे सफल गेंदबाज उनके कप्तान बेन स्टोक्स रहे जिन्होंने पंजा निकाला। भारत ने कल के चार विकेट पर 264 रन से आगे खेलना शुरू किया। रवींद्र जडेजा अपने खाते में एक रन जोड़कर 20 रन बनाकर आउट हो गए। भारत ने शार्दुल ठाकुर (41), ऋषभ पंत (नाबाद 39) और वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 20) रनों संघर्षपूर्ण पारियों के दम पर लंच तक छह विकेट पर 321 रन बना लिये थे। आज सुबह के सत्र में भारत ने भी कल के स्कोर में मात्र दो रन जोड़े थे कि इंग्लैंड ने नई गेंद जोफ्रा आर्चर की धरवाई और उन्होंने रवींद्र जडेजा को अपना शिकार बना लिया। रवींद्र जडेजा ने 40 रेंडों में तीन चौकों की मदद से 20 रन बनाये।

एशियाई क्रिकेट परिषद की वार्षिक आम बैठक स्थगित

ढाका, 24 जुलाई। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की गुरुवार को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में एशिया कप 2025 पर कोई औपचारिक फैसला नहीं हुआ और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाने के कारण इसे स्थगित कर दिया। पीसीबी और एसीसी प्रमुख मोसिन नकवी ने बैठक के बाद कहा, एशिया कप के बारे में फैसला जल्द ही लिया जाएगा। आयोजन स्थल और कार्यक्रम की भी घोषणा की जाएगी। उम्मीद है कि नकवी की अध्यक्षता वाली एसीसी को एशिया कप और चुनाव का आयोजन बीसीसीआई के रुख के अनुरूप करना होगा। चुनाव किसी अलग स्थान और अलग तरीख पर होगा। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लिया। नकवी ने कहा, कई देश ढाका नहीं आ पाए, ऐसा हर बार होता है। मैं (पहले) सिंगापुर नहीं जा पाया था। यह एक

सामान्य बात है अधिकतर सदस्य आते हैं और कुछ अपने कार्यक्रम के कारण नहीं आ पाते। लेकिन इस बैठक में हमारे सभी 25 सदस्यों (शारीरिक और ऑनलाइन दोनों) ने भाग लिया। बैठक में शामिल हुए सूत्रों ने बताया, हम यह तो नहीं कह सकते कि यह निश्चित रूप से होगा, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि यह नहीं होगा। बीसीसीआई व्यावसायिक साझेदारों के साथ मुझे को सुलझा रहा है और इसमें कुछ समय लग सकता है। इस टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान भाग लेंगे। टूर्नामेंट 10 सितंबर से 28 सितंबर तक आयोजित किया जा सकता है, लेकिन संभावना है कि यह कुछ दिन पहले भी शुरू हो सकता है। बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान है, लेकिन यह टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा जबकि दुबई और अबु धाबी इसकी मेजबानी करेंगे।

बीपीएस क्रिकेट अकादमी व रॉयल क्रिकेट अकादमी ने जीत दर्ज की



जयपुर, 24 जुलाई। सोनी स्टेडियम पर चल रहे सोनी कप में आर डी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में रन 92/5 बनाए जिसमें अनिल कुमार ने नाबाद 28 रन व हेमंत कुमार ने 20 रनों का योगदान दिया। बी पी एस क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में लविश गुप्ता व अभय को 2 -2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीपीएस क्रिकेट अकादमी 17.2 ओवर में 93/6 रन बनाकर जीत दर्ज की।आर डी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अनिल कुमार को 2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच अभय रहे। दिन का दूसरा मैच रॉयल क्रिकेट अकादमी में मिर बागान अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें रॉयल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 124/8 रन बनाए। जिसमें नवीन बिश्नोई ने 20 रन व राजकुमार सैनी ने 16 रनों का योगदान दिया। मीर बागान क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में जावेद खान व निखिल मंडल व आरव शर्मा को 2-2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीर बागान क्रिकेट अकादमी 17.2 ओवर में मात्र 65 रन पर ऑल आउट हो गईं। जिसमें निखिल मंडल ने अधिकतम 13 रनों का योगदान दिया। रॉयल क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में उज्जवल को 3 विकेट व ललित शेरावत व यस चौधरी और परक्षित शर्मा को 2-2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच उज्जवल रहे।

टेस्ट सीरीज के बाद भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाएंगे टी-20 और वनडे मैच

नई दिल्ली, 24 जुलाई। मौजूदा समय में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जहां भारत का ये इंग्लैंड दौरेन यहीं नहीं रुकने वाला है। टीम इंडिया अब अगले साल फिर अंग्रेजों से भिड़ने के लिए इंग्लैंड जाएगी। जहां अगले साल 2026 में भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 और वनडे सीरीज खेली जाएगी। जिसकी जानकारी छद्म इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दी है। भारतीय टीम का इंग्लैंड का ये दौरा इस साल खत्म नहीं होगा। अगले साल जुलाई में टीम इंडिया को फिर एक बार वापस आना है। भारत और इंग्लैंड के बीच 1 जुलाई से 11 जुलाई तक टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में पांच मैच खेले जाएंगे। वहीं इसके तुरंत बाद 14 जुलाई से 19 जुलाई के बीच तीन वनडे मैच भी खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बीसलपुर व नवनेरा बाँध भरने पर खुशी जताई

उन्होंने कहा कि मानसून में अच्छी बारिश से नियमित जलपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी

जयपुर, 24 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बीसलपुर बांध का पूरा भरना अत्यंत हर्ष का विषय है। यह पहली बार है जब जुलाई माह में नया बीसलपुर बांध का गेट खोला गया है। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक

और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।
उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई 2025 की तारीख ने प्रदेश में नया इतिहास रचा है। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहली बार लगातार दो साल बीसलपुर बाँध पूरा भरा है। इस बाँध से जयपुर, अजमेर व टोंक जिले की करीब एक करोड़ की आबादी को पेयजल आपूर्ति की जाती है।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

परियोजना के घटक नवनेरा बांध (इटवा, कोटा) का भरना भी जलापूर्ति के साथ ही कृषि कार्यों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अंचलों में पर्याप्त पानी की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर के माध्यम से किसान सहित सभी वर्गों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मानसून में अच्छी बारिश होने से निर्बाध

पानी का स्तर बांध की भराव क्षमता 315.50 आरएल मीटर तक पहुंच गया। इसके बाद गेट नंबर 10 को 1 मीटर खोल दिया गया, जिससे लगभग 6000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। ऐसा पहली बार हुआ है कि जुलाई में ही बीसलपुर बांध भर गया है। साथ ही, यह पहली बार है कि लगातार दो वर्ष (2024–2025) बीसलपुर बांध भरा है। गौरतलब है कि यह बांध परियोजना जयपुर, अजमेर एवं टोंक जिले की लगभग एक करोड़ आबादी को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

वहीं नवनेरा बांध भी गुरुवार को

पूरा भर गया। इसमें पानी का लेवल 214 आरएल मीटर पहुंच गया जिसके बाद इसके गेट नंबर 11, 12 व 13 खोल दिए गए। इससे 600 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। इस निकासी से अपस्ट्रीम में कालीसिंह नदी

कल तक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यादव, तेजस्वी यादव और अन्य नेता, इस पूरे घटनाक्रम को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। सभी को लग रहा है कि मतदाताओं को बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करना और इस तरह चुनाव को चुराना, लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष ने पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा उठाया था, लेकिन उसके बाद से फोकस लगावार बिहार और एस आई आर मुद्दे पर बना हुआ है।

विपक्ष रोजाना संसद परिसर में प्रदर्शन कर रहा है और कल वे गांधी प्रतिमा से संसद के मकर द्वार तक मार्च करेंगे।

सरकार की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि विपक्ष को आपत्ति है, तो वह चुनाव आयोग या सुप्रीम कोर्ट जाए।

अब यह विपक्ष पर निर्भर है कि वह लोकतंत्र की रक्षा कैसे करेगा और उन तरीकों का विरोध कैसे करेगा, जिनके जरिए संविधान की अनदेखी करके, दिन-दहाड़े चुनावों में सेंध लगाई जा रही है तथा उन्हें प्रभावित किया जा रहा है।

आज निर्णय होगा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंतरिम रोज़े जारी रहनी चाहिए? पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति क्रांत ने कहा , हम कल 10-15 मिनट और लेंगे और मामले को निपटारा कर देंगे।

के आस-पास कुंआं और भूजल के स्तर में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि बांध की कुल भराव क्षमता 226.65 मिलियन क्यूबिक मीटर है एवं बांध की वर्तमान भराव क्षमता 159.87 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुम्बई ट्रेन धमाकों पर हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में दोषी सभी 12 लोगों को बरी करने के बम्बई उच्च न्यायालय के 21 जुलाई के फैसले पर गुरुवार को रोक लगाते हुए कहा कि फिलहाल उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को उस याचिका

■ **लेकिन हाईकोर्ट द्वारा बरी किए गए सभी 12 लोगों को फिलहाल गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया।**

को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि उच्च न्यायालय के फैसले को अन्य लॉबिंग महाराष्ट्र संगठित अपराधनियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामलों में मिसाल नहीं माना जाए। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली एक विशेष अनुमति याचिका पर संबंधित सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया। पीठ ने इस दलील पर गौर किया और स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर ई.डी. ने रेड की

यह कार्यवाही अनिल अंबानी की कम्पनियों द्वारा 3000 करोड़ रु. के फर्जीवाड़े को लेकर की गई है

■ **आरोप है, कि अंबानी समूह की कंपनियों ने 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से प्राप्त 3000 करोड़ रु. के ऋण में भारी हैराफेरी की थी।**

मुंबई, 24 जुलाई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े करीब 50 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी अनिल अंबानी समूह की कंपनियों एवं यस बैंक से जुड़े करीब 3000 करोड़ रुपयों के बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है।

इस छापेमारी को लेकर अनिल अंबानी समूह की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया है कि जिन रिपोर्टों को लेकर ईडी की कार्रवाई की जा रही है, वे रिलायंस होम फाइनेंस से जुड़े आठ वर्ष से ज्यादा पुराने लेन-देने से संबंधित प्रतीत होती हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों पर जिन शिकायतों के आधार पर छापेमारी की है, वे अंबानी समूह की कंपनियों द्वारा लोन के दुरुपयोग, रिजर्वतखोरी और सार्वजनिक संस्थाओं के साथ धोखाधड़ी से संबंधित हैं।

सूत्रों का कहना है कि ईडी को प्राप्त हुई जानकारीयें नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, बैंक आफ बड़ौदा आदि से

प्राप्त हुई थीं। ईडी को पता चला है कि अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियां सार्वजनिक धन की हेराफेरी एवं वित्तीय संस्थानों को गुमराह करने की योजना में शामिल थीं।

कहा जा रहा है कि इसमें 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से करीब 3000 करोड़ रुपयों के ऋण की कथित तौर पर हेराफेरी की गई थी। इस हेराफेरी की कड़ी में, कई मामलों में औपरचारिक मंजूरी मिलने से पहले ही ऋण वितरित कर दिया गया और बैंक में आवेदन जमा होने के दिन ही राशि भी जारी कर दी गई।

इनमें ऋण पानेवाली कुछ कंपनियों की तो वित्तीय स्थिति भी कमजोर थी और उनके पास उचित

दस्तावेजों की भी कमी थी। कहा जा रहा है कि रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस लि. (आरएचएफएल) द्वारा दिए गए कॉर्पोरेट लोन में भारी उछाल देखने के बाद सेबी ने यह जानकारी ईडी के साथ साझा की थी।

ये कॉर्पोरेट लोन 2017-18 के 3,742.60 करोड़ रुपयों से बढ़ कर, 2018-19 में 8,670.80 करोड़ रुपए हो गए थे। अब ईडी इस बात की जांच कर रही है कि कहीं ये उछाल किसी लोन डायवर्जन योजना से तो नहीं जुड़ा था।

बता दें कि ईडी की यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रिजर्व बैंक के निराश निर्देशों के अनुसार रिलायंस कम्प्यूनिकेशंस (आरकॉम) और उसके प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित किए जाने के बाद शुरू हुई है।

गुरुवार को हुई ईडी की छापेमारी पर रिलायंस समूह द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण में कहा गया है कि प्रमोटर की कुछ निजी कंपनियों को यस बैंक द्वारा दिए गए ऋण उन कंपनियों की योग्यता के आधार पर स्वीकृत किए गए थे।

फ्री ट्रेड एग्रीमैंट के मार्फत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोबर – अब भारतीय बाजार में आसानी से आ सकेंगे, जबकि भारतीय चाय और कई कृषि उत्पाद ब्रिटिश बाजार में अब अधिक प्रतिस्पर्धा होंगे क्योंकि टैरिफ में कटौती तुरंत प्रभाव से लागू होगी।

दोनों देशों के विकास की गति और बाजारों की बदलती मांग भविष्य में यह तय करेगी कि कौन कितना लाभ उठाएगा और कौन नहीं।

यह सोचना गलत नहीं होगा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और बढ़ती समृद्धि के चलते भारत में लगजरी कारों की मांग बहुत तेजी से बढ़ेगी, जबकि ब्रिटेन में भारतीय चाय और कृषि उत्पादों की मांग सीमित ही रहेगी। आखिर कोई देश कारों की तरह तेजी से चाय और सब्जियां तो नहीं खरीद सकता। यह बात स्पष्ट है कि भविष्य में ब्रिटेन को उन उत्पादों पर कम शुल्क का फायदा मिलेगा, जिनकी भारत में भारी मांग हो सकती है।

इसका यह मतलब नहीं है कि

भागवत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

100 साल में इस तरह की बैठक कभी भी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जिस सद्भावनापूर्ण माहौल में हर मुद्दे पर चर्चा हुई और जिस तरह से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सबकी बातों को धैर्य से सुना, वह काबिले-तारीफ था।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान आरएसएस प्रमुख ने कई बातें कहीं। उन्होंने बताया कि सब इस बात पर सहमत हुए कि इस तरह की मुलाकातें हर राज्य में समय-समय पर होती रहनी चाहिए।

इस बैठक में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबेलोर और राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के इश्रेश कुमार भी शामिल हुए।

‘क्या मृत मतदाताओं को भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य चुनाव आयुक्त ने जोर देकर कहा कि हर चुनाव के लिए एक जुटिंहित और साफ-सुथरी मतदाता सूची तैयार चुनाव आयोग की जिम्मेवारी है।

उन्होंने पूछा, “क्या पारदर्शी प्रक्रिया से तैयार की गई एक शुद्ध मतदाता सूची, निपक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की नींव नहीं होती?” उन्होंने आगे कहा, “इन सवालों पर, कभी न कभी हम सभी को और भारत के सभी नागरिकों को राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर गंभीरता से सोचना होगा।”

मुख्य चुनाव आयुक्त की ये टिप्पणियाँ ऐसे समय आई हैं जब विपक्षी दल, विशेष रूप से राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) और

कांग्रेस, यह आरोप लगा रहे हैं कि एस.आई.आर. प्रक्रिया के कारण 50 लाख से अधिक लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया जाएगा।

कुमार ने उसी संविधान का हवाला दिया, विपक्ष के अनुसार, जिसे नरेंद्र मोदी सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से कुचला जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार ने कहा, “भारत का संविधान ही भारत के लोकतंत्र की जननी है। चुनाव आयोग को डर है कि अगर मृत लोगों के नाम पर, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम पर, डुप्लीकेट या फर्जी और विदेशी वोटरों के नाम पर वोट डाले गए, तो चुनाव प्रक्रिया भटक सकती है। इसीलिए यह

समीक्षा बिहार में शुरू की गई है और इसे पूरे देश में ले जाया जाएगा।” उन्होंने आगे कहा। “क्या चुनाव आयोग को ऐसे मतदाताओं को सूची से नहीं हटाना चाहिए?” चुनाव आयोग द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बिहार की मतदाता सूची से 56 लाख नाम हटाए जाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इन 56 लाख नामों में शामिल हैं: 20 लाख मृतक मतदाता, 28 लाख अन्य राज्य में स्थायी रूप से चले गए लोग, 7 लाख ऐसे लोग जो एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत हैं और 1 लाख ऐसे मतदाता जिनसे संपर्क नहीं हो सका। इसके अलावा, लगभग 15 लाख लोगों ने सत्यापन फॉर्म वापस नहीं किया, जिससे उनकी स्थिति भी संदेह में आ गई है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
के रूप में देखा जाता है। ऐसे में, अखिलेश यादव ने अपने मंदिर के वीडियो को पोस्ट करना बेहतर समझा, तथा इस बहाने पहले के सोमवार को सबसे “रामा-श्यामा” भी गीतों का मतदाता सूची से 56 लाख नाम हटाए जाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इन हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से पहले ही आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

चूँकि इटावा का यह मंदिर जिसे ‘केदारेश्वर धाम’ नाम दिया गया है, उत्तराखंड के प्रसिद्ध चार धामों में से एक, ‘केदारनाथ धाम’ की तर्ज पर बन रहा है, इसलिये उत्तराखंड के संतों और साधुओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया है।
एक ऐतिहासिक प्रावधान एक लंबे समय से चली आ रही भारतीय चिंता को दूर करता है, यूके में कार्यरत भारतीय पेशेवरों द्वारा सामाजिक सुरक्षा भुगतान। इस समझौते के तहत, ऐसे पेशेवर अब तीन वर्षों तक इन भुगतानों से मुक्त रहेंगे, प्रत्येक कर्मचारी के लिए हजारों पाउंड की संभावित वार्षिक बचत।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
उनका आरोप है कि मंदिर की नकल करना केदारनाथ जैसे पवित्र तीर्थस्थल की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी ने इसे 'सनातन धर्म' को खिलाफ एक बड़ी सजिश' करार देते हुए कहा कि यह सदियों पुराने हिमालयी मंदिर की ऐतिहासिक धार्मिक महत्ता को कमजोर करने का प्रयास है।
हालांकि यादव ने इस आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन 2023 का एक पुराना वीडियो, जिसमें वे धार्मिक प्रवचनकर्ता अनिरुद्धाचार्य के साथ सड़क किनारे बातचीत करते नजर आ रहे हैं, हाल ही में वायरल हुआ है। इस वीडियो के जरिए उनकी हिंदू संतों के

साथ कथित अभद्रता की आलोचना फिर से शुरू हो गई है। इसके अतिरिक्त, यादव की 'सॉफ्ट हिंदुत्व' रणनीति की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि समाजवादी पार्टी की स्थापना से ही इसकी धर्मनिरपेक्ष पहचान रही है। भारतीय राजनीति में धर्मनिरपेक्षता को अक्सर मुस्लिम तृष्टिकरण के रूप में देखा गया है—खासतौर पर उत्तर प्रदेश में।

समाजवादी पार्टी के गठन से पहले, जब सपा-संस्थापक मुलायम सिंह यादव जनता दल के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। यह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अखिलेश यादव की वर्तमान धार्मिक मुद्रा की विश्वसनीयता को और कमजोर करती है।

आमतौर से ऐसा माना जाता है कि जनता की स्मृति अल्पकालिक होती है और दशकों की पुराने विवादों का चुनावी प्रभाव कम हो जाता है, फिर भी हाल ही में संसद मार्ग पर स्थित एक मस्जिद में समाजवादी पार्टी के सांसदों के साथ अखिलेश यादव की बैठक ने उनकी 'सॉफ्ट हिंदुत्व' नीति की ईमानदारी पर नये सिरि से संदेह पैदा कर दिये हैं।
यादव के 'हिंदुत्व' ब्रांड के लिये सबसे बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो पहले से ही एक शक्तिशाली हिंदुत्व प्रतीक के रूप में स्थापित हैं तथा इस प्रकार, समाजवादी पार्टी के लिए इस क्षेत्र में विस्तार की गुंजाइश सीमित दिखाई देती है।

आमतौर से ऐसा माना जाता है कि जनता की स्मृति अल्पकालिक होती है और दशकों की पुराने विवादों का चुनावी प्रभाव कम हो जाता है, फिर भी हाल ही में संसद मार्ग पर स्थित एक मस्जिद में समाजवादी पार्टी के सांसदों के साथ अखिलेश यादव की बैठक ने उनकी 'सॉफ्ट हिंदुत्व' नीति की ईमानदारी पर नये सिरि से संदेह पैदा कर दिये हैं।

यादव के 'हिंदुत्व' ब्रांड के लिये सबसे बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो पहले से ही एक शक्तिशाली हिंदुत्व प्रतीक के रूप में स्थापित हैं तथा इस प्रकार, समाजवादी पार्टी के लिए इस क्षेत्र में विस्तार की गुंजाइश सीमित दिखाई देती है।

नाबालिग का देह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईमेल कर अपने साथ हुए अपराध की जानकारी दी थी। इस पर वह झोटावाड़ा स्थित अपनी दुकान से घर चला गया। जहां पीड़िता ने उसे बताया कि अभियुक्त उसे डरा धमकाकर आए दिन दुष्कर्म करते थे। इसके बाद, शाम के समय पीड़िता ने कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की, लेकिन समय पर पता चलने पर उसे अस्पताल भर्ती कराया गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अदालत को बताया कि शैतान का शराब का ठेका उसके घर के पास होने के कारण वह उसे जानती थी। शैतान ने 9 मई 2018 को उसे नौद की गोलियां देकर, परिजनों को देने को कहा। रात के समय उसने परिजनों को नौद की गोलियां दीं और शैतान से मिलने उसके यहाँ चली गई।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
गतिशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सामान, सेवाओं और डिजिटल व्यापार के प्रवाह को फिर से आकार देने वाला एक रणनीतिक सहयोग है।

एफटीए का मूल उद्देश्य है शुल्कों को अभूतपूर्व स्तर पर कम करना। अब भारत से 99 प्रतिशत निर्यात ब्रिटेन में बिना शुल्क के प्रवेश करेंगे, जिससे वस्त्र, रत्न और आभूषण, जूते, ऑटो पार्ट्स, इंजीनियरिंग उत्पादों और मशीनरी जैसे क्षेत्रों को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय निर्यातकों के लिए इसका मतलब है उच्च-मूल्य वाले ब्रिटिश बाजारों तक लगभग त्वरित पहुंच, वह भी पहले जैसी लातत बाधाओं के बिना। कपड़ा उद्योग, जो पहले से ही बड़े पैमाने पर रोजगार देता है, इस समझौते से सबसे अधिक लाभ उठाने वालों में से एक होगा,

साथ ही भारत के एमएसएमई और समुद्री उत्पाद निर्यातक भी लाभान्वित होंगे।

बदले में, भारत ब्रिटेन से आने वाले 90 प्रतिशत उत्पादों पर आयात शुल्कों का प्रवेश करेगा, जिससे भारतीय उद्योगिका बाजार में प्रीमियम कारों, दवाओं, स्कॉच व्हिस्की और उच्च गुणवत्ता वाली कार्रकलेट जैसे ब्रिटिश उत्पादों के लिए रास्ता खुलेगा। स्कॉच व्हिस्की और जिन जैसी ब्रिटिश वस्तुओं पर वर्तमान में 150 प्रतिशत टैक्स लगता है, जिसे तुरंत घटाकर 75 प्रतिशत और अगले दस वर्षों में 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसी तरह, ब्रिटिश लज्जरी कारों पर 100 प्रतिशत से अधिक आयात शुल्क लगता था, इसे घटाकर मात्रा 10 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

हालांकि यह समझौता केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं है। सेवाएं-जो भारत के लिए एक प्रमुख क्षेत्र हैं, भी इसका बड़ा लाभ उठाएंगी। एफटीए में आईटी, वित्तीय सेवाएं, शिक्षा, वास्तुकला और परामर्श सेवाओं के लिए भारतीय कंपनियों के ब्रिटेन में प्रवेश नियमों में ढील दी गई है। वहीं, ब्रिटिश सेवा प्रदाताओं को भारत के मध्यम वर्ग द्वारा संचालित सेवा अर्थव्यवस्था तक सुनिश्चित पहुंच मिलेगी।
एक ऐतिहासिक प्रावधान एक लंबे समय से चली आ रही भारतीय चिंता को दूर करता है, यूके में कार्यरत भारतीय पेशेवरों द्वारा सामाजिक सुरक्षा भुगतान। इस समझौते के तहत, ऐसे पेशेवर अब तीन वर्षों तक इन भुगतानों से मुक्त रहेंगे, प्रत्येक कर्मचारी के लिए हजारों पाउंड की संभावित वार्षिक बचत।

यह समझौता छोटे और मध्यम उद्यमों को भी सशक्त बनाता है, जिसमें सरल कस्टम प्रक्रियाएं, 48 घंटे में क्लीयरेंस और डिजिटल व्यापार सुगमता का वादा शामिल है। सीमा-पार डिजिटल व्यापार को संरक्षित किया जाएगा, जिसमें ई-कॉमर्स ड्यूटी पर रोक, ई-कॉन्ट्रैक्ट की कानूनी मान्यता और सुरक्षित डेटा प्रवाह के प्रोटोकॉल शामिल हैं।
हालांकि भारत खुलापन अपना रहा है, लेकिन डीज़ल वाहन, उच्च तकनीकी इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे धीरे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया गया है, यह संकेत देता है कि भारत घरेलू प्राथमिकताओं की रक्षा भी कर रहा है।
एफटीए को जुलाई में भारत की कैबिनेट द्वारा मंजूरी मिल चुकी है और इसे यूके संसद द्वारा भी जल्द ही अनुमोदित किया जाएगा। अगले 9 से

15 महीनों में इसके लागू होने की उम्मीद है।
यह समझौता केवल एक आर्थिक सुधार नहीं है, बल्कि यह एक साहसिक भू-राजनीतिक वक्तव्य है। जब वैश्विक व्यापार साझेदारियों का पुनर्गठन हो रहा है, भारत और ब्रिटेन एक-दूसरे के भविष्य पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र ने इस एफटीए का जोरदार स्वागत किया है और इसे भारत के उभरते व्यापार ढांचे में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया है, जो वैश्विक आर्थिक एकीकरण की दिशा में बढ़ रहा है।
आरपीजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने कहा, “भारत-ब्रिटेन एफटीए दोनों देशों के बीच साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह समझौता व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण है और भारतीय निर्यातकों के लिए बेहतर

बाजार पहुंच और अधिक निश्चितता प्रदान करेगा। हम इस व्यापक समझौते का स्वागत करते हैं, जो भारतीय व्यापारों के लिए महत्वपूर्ण अवसर लेकर आता है और उच्च स्तर के द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक सहयोग की नींव रखता है।”
महेंद्रा ग्रुप के ग्रुप सीईओ और एमडी, अनशीश शाह ने कहा, “भारत और ब्रिटेन के बीच यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी क्षण है। यह केवल व्यापार की जीत नहीं है, बल्कि एक आधुनिक साझेदारी का खाका है, जिसमें नवाचार, स्थिरता और समावेशी विकास को केन्द्र में रखा गया है। जैसे-जैसे भारतीय उद्योग वैश्विक होता जा रहा है, हम इस साझेदारी के अगले अध्याय में सार्थक योगदान देने की

उम्मीद करते हैं।”
फिक्की के अध्यक्ष और इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन एवं एमडी, हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा, “भारत-यूके एफटीए पर हस्ताक्षर करने के व्यापार ढांचे में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो वैश्विक आर्थिक एकीकरण के दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है। यह आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों का पूरक है, जिससे घरेलू उद्योग वैश्विक स्तर पर विस्तार कर सकें, प्रतिस्पर्धा बन सकें और मूल्य श्रृंखलाओं का अधिक प्रभावी तरीके से लाभ उठा सकें। फिक्की इस विकास का स्वागत करता है, जो एक अधिक लचीला और अक्सर प्रधान व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में एक कदम है, जिससे दोनों देशों और उनके नागरिकों को लाभ होगा।”